हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 अंक : 38 प्रयागराज, मंगलवार 09 मई , 2023 हिन्दी दैनिक पृष्ठ–4 मूल्य : 3 रुपया

दक्षिण एशिया में आतंक फैलाने लिए अफगानिस्तान का इस्तेमाल कर रहा है इस्लामिक स्टेट

जालंधर। आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ने दक्षिण एशिया में अपना विस्तार पर एक बार फिर से काम करना शुरू कर दिया है। हाल ही में लीक हुए एक दस्तावेज के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि इस्लामिक स्टेट यूरोप, एशिया और संयुक्त राज्य अमरीका में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को संचालित करने और लक्षित करने के लिए अफगानिस्तान को अपने सुरक्षित आश्रय के रूप में उपयोग कर रहा है। हाल के दिनों में पाकिस्तान,अफगानिस्तान और भारत सहित दक्षिण एशिया में इस्लामिक स्टेट द्वारा घातक हमले इस क्षेत्र में आई.एस.आई.एस. की बढती उपस्थिति का संकेत देते हैं। पेंटागन के लीक हुए मेमो के अनुसार, आई.एस.आई.एस. अफगानिस्तान में फिर से उभर रहा है और पूरे यूरोप, एशिया में हमलों की साजिश रच रहा है। दस्तावेजों में कहा गया है कि संयुक्त राज्य अमरीका के खिलाफ यह महत्वाकांक्षी साजिश कर रहा है। उसके निशाने पर चर्च, दूतावास और व्यापार केंद्र शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अफगानिस्तान से अमरीकी नेतृत्व वाली नाटो सेना की

वापसी ने इस्लामिक स्टेट को युद्धग्रस्त देश में अपने पदचिह्न मजबूत करने के लिए पर्याप्त जगह प्रदान की। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के अनुसार, इस्लामिक स्टेट एक वैश्विक सलाफी–जिहादी आंदोलन, एक धार्मिक राजनीतिक सुन्नी इस्लामवादी विचारधारा बनाना चाहता है। पिछले कुछ सालों से इसने दक्षिण एशिया में अपनी पैठ मजबूत की है और अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के लिए कई घातक हमले किए हैं। एक यूएसआधारित थिंक टैंक न्यूलाइन्स इंस्टीट्यूट का कहना है कि दक्षिण एशिया में आई.एस.आई.एस. खुरासान शाखा के लिए भर्ती करने से संबंधित है और इस प्रकार ऑनलाइन नेटवर्क और स्थानीय राजनीति का लाभ उठाकर सेल बनाने और छिटपुट हमले करने का प्रयास करता है। इस संगठन को दाएश के नाम से भी जाना जाता है, जिसकी जडें इराक और सीरिया में हैं। इसकी स्थापना अबू मुसाब अल–जरकावी ने 1999 में की थी। आतंकवादी इस्लामी समूह जो सुन्नी इस्लाम के सलाफी जिहादी शाखा का अनुसरण करता है, ने 2014 में वैश्विक प्रसिद्धि प्राप्त की और तेजी से दक्षिण एशिया में अपना विस्तार करना शुरू किया। यही संगठन में 21 अप्रैल, 2019 को सुर्खियों में आ गया था जब श्रीलंका में लोग ईस्टर मना रहे थे और इस्लामिक स्टेट द्वारा आतंकवादी आत्मघाती बम विस्फोटों की एक श्रृंखला ने देश को हिलाकर रख दिया। कोलंबो शहर में तीन चर्चों और तीन लक्जरी होटलों में समन्वित हमले में 45 विदेशी नागरिकों सहित कुल 269 लोग मारे गए थे। हमले की चौथी बरसी पर श्रीलंकाई अभी भी न्याय और घातक ईस्टर बम विस्फोटों के जवाब की मांग कर रहे हैं।

कांग्रेस की नारी सम्मान योजना की आज कमलनाथ करेंगे आुरुआत

भोपाल। मध्यप्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के पूर्व महिलाओं को डेढ़ हजार रुपए प्रतिमाह देने की कांग्रेस की नारी सम्मान योजना की कल पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ शुरुआत करेंगे। कमलनाथ ने इस संबंध में अपने ट्वीट में बताया कि वे कल 9 मई को छिन्दवाड़ा के परासिया से प्रदेशव्यापी नारी सम्मान योजना की शुरुआत करेंगे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ये योजना मध्यप्रदेश की बहन–बेटियों को डेढ़ हजार रूपये प्रतिमाह और 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर देने के संकल्प के साथ ला रही है। इस योजना के संदर्भ में श्री कमलनाथ ने अपने बयान में कहा कि बढ़ती महंगाई से महिलाओं को हो रही परेशानी को देखते हुए कांग्रेस ने ये योजना लाने का विचार किया है। इसके पहले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश की महिलाओं के लिए लाड़ली बहना योजना की शुरुआत कर चुके हैं, जिसमें महिलाओं को प्रति माह एक हजार रुपए की राशि दी जाएगी। बड़ी संख्या में महिलाओं ने इस योजना में पंजीयन कराया है। इस योजना के तहत महिलाओं के खाते में जून के महीने से राशि आनी शुरु हो जाएगी।

राजस्थानः मिग–21 दुर्घटनाग्रस्त, 3 महिलाओं की मौत, पायलट सुरक्षित

जयपुर। भारतीय वायुसेना का लड़ाकू मिग–21 विमान सोमवार सुबह हनुमानगढ़ जिले के एक गांव में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पुलिस के अनुसार हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हो गए। विमान का पायलट सुरक्षित है। वायुसेना के अनुसार यह विमान नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर था और पायलट सुरक्षित रूप से निकल गया। बीकानेर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि घटना में तीन महिलाओं की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि विमान के पायलट का सूरतगढ़ सैन्य अस्पताल में इलाज चल रहा है। भारतीय वायुसेना ने हादसे की जानकारी देते हुए ट्वीट किया, ''भारतीय वायुसेना का एक मिग–21 विमान आज सुबह नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान सूरतगढ़ के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट सुरक्षित रूप से विमान से निकल गया। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच बैठाई गई है। सूरतगढ़ वायु सेना स्टेशन गंगानगर जिले में है। यह कस्बा हनुमानगढ़ जिले की सीमा के पास है। विमान हनुमानगढ़ जिले के बहलोलनगर गांव के बाहरी

इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हनुमानगढ़ के जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने कहा कि लड़ाकू विमान रत्ती राम के घर पर गिरा जिसमें उनकी पत्नी और दो अन्य महिलाओं की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। उन्होंने कहा कि शुरूआती रिपोर्ट के अनुसार रत्ती राम का घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है और पास के घर को भी नुकसान पहुंचा है। मृतक महिलाओं की पहचान लीला देवी पत्नी रामप्रताप, बंतो कौर पत्नी लाल सिंह और बाशो कौर पत्नी रत्ती राम के रूप में हुई है। बहलोलनगर के एक स्थानीय नागरिक ने कहा कि उसने तेज आवाज सुनी और पैराशूट नीचे आते देखा। उसने बताया कि चंद ही सैकंड में विमान रत्ती राम के घर पर गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसके बाद घर में रखी लकड़ियों में आग लग गई। उसने घटनास्थल पर मौजूद मीडिया को बताया, स्थानीय लोगों ने तुरंत पानी और रेत से आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए। दमकल और पुलिस मौके पर पहुंच गई और महिलाओं को अस्पताल ले जाया गया। घटना के तुरंत बाद वहां लोगों की भीड़ लग गई।

सिसौदिया तो झांकी है, केजरीवाल अभी बाकी है, भाजपा का आप पर निशाना

नई दिल्ली। भाजपा ने आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भ्रष्टाचार का पर्याय और शराब घोटाले का 'किंगपिन करार दिया है और कहा है कि केजरीवाल भी जल्द ही कानून के शिकंजे में आएंगे। भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने सोमवार को यहां पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केजरीवाल बहुत घबराए हुए हैं। इतने घबराए हुए हैं कि झूठी प्रेस कॉन्फ्रेंस करवा रहे हैं। वह भ्रष्टाचारी तो हैं ही। इसके साथ ही जनता को भ्रमित करने के लिए झूठी प्रेस कॉन्फ्रेंस करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल शराब के घोटाले में इस कदर डूब रहे हैं कि वह इधर–उधर की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मनीष सिसौदिया तो झांकी है। अरविंद केजरीवाल अभी बाकी है। उन्होंने कहा कि गत छह मई को एक सह–आरोपी की जमानत मंजूर होती है और'आप के सारे प्रवक्ता बाहर आकर कह देते हैं कि कोई सबूत नहीं है। भाटिया ने कहा कि किसी भी अभियुक्त की जमानत का आदेश उन्हीं के लिए होता है, ये कोई अंतिम फैसला नहीं

होता है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि राजेश जोशी किसी मीटिंग में नहीं गए, इसलिए और उन्होंने मनीष सिसोदिया को कोई पे–बैक नहीं दियाकृ इसलिए यह जमानत मंजूर की गई। इस पर आप के सांसद संजय सिंह ने कहा कि– अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कोई सबूत नहीं है और इसीलिए राजेश जोशी की जमानत मंजूर की गयी है।भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि आप न्यायालय का अपमान कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट को संज्ञान लेना चाहिए कि एक लंबित मामले में मनीष सिसोदिया, जो खुद मुख्य आरोपी हैं, उनकी पार्टी कहती है कि इस मामले में कुछ है नहीं जबकि उनकी जमानत अभी लंबित है। सुप्रीम कोर्ट, केन्द्रीय जांच ब्यूरो, न्यायालय और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की अदालत, सबने मनीष सिसौदिया की जमानत अर्जी खारिज की है। भाटिया ने कहा कि केजरीवाल की पूरी राजनीति भ्रष्टाचार, झूठ बोलना और गुमराह करने पर आधारित है।

टिल्लू ताजपुरिया हत्या,हाई कोर्ट ने जेल अधिकारियों से चाकू बरामद होने के संबंध में पूछे सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने तिहाड़ परिसर से चार चाकू बरामद होने के संबंध में जेल अधिकारियों से जवाब तलब किया है। तिहाड़ जेल में ही पिछले दिनों कुख्यात अपराधी टिल्लू ताजपुरिया की कथित तौर पर एक प्रतिद्वंदी गिरोह के कैदियों ने चाकू मार कर हत्या कर दी थी।

अदालत ने जेल के अधिकारियों से पूछा कि जेल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में जब पूरी घटना रिकॉर्ड हो गई थी, तब उस वक्त अधिकारियों ने कोई निवारक कार्रवाई क्यों नहीं की। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह ने ताजपुरिया के पिता और भाई की ओर से दाखिल याचिका पर महानिदेशक कारागार (दिल्ली),दिल्ली सरकार तथा पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी किया है। ताजपुरिया के पिता और भाई की ओर से दाखिल याचिका में दो मई को तिहाड़ जेल परिसर में हुई ''जघन्य हत्या मामले की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने का अनुरोध किया गया है।

खरगे बोले, मैं कर्नाटक का 'भूमिपुत्र हूं, आखिरी सांस तक गरीबों के लिए लड़ता रहूंगा

बेंगलुरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन सोमवार को यहां मतदाताओं से समर्थन की भावनात्मक अपील करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता इस बात पर गर्व कर सकती है कि राज्य के 'भूमि पुत्रश के रूप में वह अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के एक उम्मीदवार द्वारा उन्हें जान से मारने की कथित तौर पर धमकी दिए जाने का हवाला देते हुए कहा कि वह 81 वर्ष के हो चुके हैं और अगर कोई उन्हें मारना चाहता है तो मार सकता है, लेकिन वह अपनी अंतिम सांस तक गरीबों के लिए लड़ाई जारी रखेंगे और उनके हितों की रक्षा का प्रयास करते रहेंगे। कांग्रेस ने हाल ही में एक ऑडियो क्लिप जारी कर आरोप लगाया था कि कलबुर्गी जिले के चित्तापुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार मणिकांत राठौड़ ने खरगे और उनके परिवार की हत्या करने की धमकी दी है। आडियो में राठौड को कन्नड़ में यह कहते हुए सुना जा रहा है कि वह ''खरगे, उनकी पत्नी और बच्चों का सफाया कर देंगे। राठौड़ ने इस आरोप को खारिज कर दिया

था। खरगे ने यहां चुनावी सभा में कहा, ''ऐसा लगता है कि भाजपा नेताओं के दिमाग में यह बात आ गई है कि वो मुझे खत्म कर दें। अगर ऐसा नहीं है तो फिर यह कहने की हिम्मत कैसे हो गई कि वह खरगे और परिवार को मारना चाहता है? श्श कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि अगर मणिकांत राठौड ने उन्हें मारने की धमकी दी है तो उसके पीछे भाजपा का कोई नेता है। उन्होंने कहा, ''मेरे पास बाबासाहेब का संविधान है जो मेरी रक्षा करेगा। कलबुर्गी और कर्नाटक के लोग मेरे पीछे हैं। अब कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद देश की जनता मेरे साथ है। आप मुझे और मेरे परिवार को खत्म कर सकते हैंकृअगर मैं जाता हूं तो कोई और उठ खड़ा होगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने बचपन में अपने पूरे परिवार को खोने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''मैं अब भी जीवित हूं और लोगों के आशीर्वाद से जीवित रहूंगा। खरगे का कहना था, ''उन्हें जो कहना है, कहने दीजिए, मैं मजबूत हूं। कोई व्यक्ति 100 साल या 90 साल जी सकता है, लेकिन भारत में औसत आयु 70 या 71 साल है। मैं पहले ही बोनस पीरियड में हूं। मैं 81 साल का हूं। अगर मैं आगे जीता हूं तो आठ या नौ साल जीवित रहूंगा। कोई चिंता नहीं है। अगर मुझे खत्म करने से आपकी समस्याएं हल हो जाएंगी तो मैं तैयार हूं। खरगे ने कहा कि जैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में खुद को 'भूमि पुत्र कहा था, उसी तरह वह कर्नाटक के 'भूमि पुत्र हैं। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि वे इस क्षेत्र की सभी सीटों पर कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करें।

केरल बोट हादसाः अब तक 22 लोगों की मौत, मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने का ऐलान

मलप्पुरम । केरल के मलप्पुरम में रविवार शाम नौका दुर्घटना में जान गंवाने वालों के सम्मान में केरल में सोमवार को एक दिन का राजकीय शोक मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने मौतों पर शोक व्यक्त करते हुए ट्वीट किया है, मलप्पुरम में तनूर नाव दुर्घटना में लोगों की दुखद मौत से गहरा दुख हुआ। वहीं, हादसे के एक दिन बाद राज्य सरकार ने सोमवार को मामले में न्यायिक जांच का आदेश दिया और मृतकों के परिजनों को 10–10 लाख रुपये का मुआवजा देने का फैसला किया। इससे पहले पीएम मोदी ने 2 लाख मुआवजा देने का ऐलान किया। केरल में थूवलथीरम तट के निकट पर्यटक नौका दुर्घटना में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। जिले के अधिकारियों ने बताया कि रविवार शाम को नौका डूबने के बाद आठ लोगों को सुरक्षित निकाला गया और उनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज हो रहा है। नौका में 30 से अधिक लोग सवार थे, यह नौका थूवलथीरम तट के निकट

तानुर में शाम करीब साढ़े सात बजे डूब गई थी। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और तटरक्षकों की टीम मौके पर पहुंच गई हैं तथा लापता लोगों की तलाश का अभियान जारी है। जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिन 22 लोगों के शव बरामद हुए हैं उन सभी की पहचान कर ली गई है। अधिकारी ने कहा, ''हमने सभी एजेंसियों से मदद का अनुरोध किया है। एनडीआरएफ और तटरक्षक की टीम पहले ही घटनास्थल पर पहुंच चुकी हैं। हमने नौसेना से भी मदद का अनुरोध किया है। अधिकारी ने कहा कि नौका में वास्तव में कितने लोग सवार थे, अभी इसकी पुष्टि होनी बाकी है। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और विपक्ष के नेता वी. डी. सतीसन दिन में दुर्घटना स्थल का दौरा करेंगे, जहां मंत्री पी. ए. मोहम्मद रियास और वी. अब्दुरहीमन के नेतृत्व में बचाव अभियान चलाया जा रहा है। राज्य सरकार ने सोमवार को एक दिवसीय शोक की घोषणा की है और सभी आधिकारिक कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं।

अशोक गहलोत, वसुंधरा राजे सहित कई नेताओं ने मिग-21हादसे में जनहानि पर जताया दुख

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी सहित कई नेताओं ने हनुमानगढ़ जिले में वायुसेना के लड़ाकू विमान मिग–21 के दुर्घटनाग्रस्त होने से तीन लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। गहलोत ने सोशल मीडिया पर कहा कि इस हादसे में तीन लोगों की मश्त्यु होना दुखद है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा की शांति एवं परिजनों को दुख सहने की शक्ति देने की कामना की। उन्होंने मिग–21 के पायलट एवं अन्य घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मश्तकों के परिजनों को चिरंजीवी बीमा से नियमानुसार सहायता राशि दी जाएगी। राजे ने कहा कि हादसे में लोगों की मश्त्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं प्रकट की। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। जोशी ने कहा कि इस हादसे में जनक्षति व लोगो के घायल होने की दुःखद सूचना मिली। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने एवं शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान की प्रार्थना की। उन्होंने घायल लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना भी की। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ एवं उपनेता प्रतिपक्ष डा सतीश पूनियां ने भी हादसे में लोगों के जान गंवाने का दुखद समाचार पर दुख जताया और ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति व शोकाकुल परिजनों को इस दुःख को सहन करने का संबल प्रदान करने प्रार्थना की। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना भी की।

कर्नाटक में सोनिया गांधी के बयान पर छिड़ा विवाद, पीएम मोदी के बाद अब अनुराग ठाकुर ने साधा कांग्रेस पर निशाना

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस संसदीय पार्टी की प्रमुख सोनिया गांधी की कर्नाटक की सम्प्रभुता संबंधी टिप्पणी कांग्रेस की भारत को विभाजित करने की 'गहरी साजिश का खुलासा करती है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री ठाकुर की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब कांग्रेस ने शनिवार को हुबली में एक चुनावी रैली में सोनिया गांधी के भाषण का जिक्र करते हुए एक ट्वीट में कहा था कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष ने ''6.5 करोड़ कन्नड़ लोगों को एक कड़ा संदेश दियाश्श। पार्टी ने उनकी तस्वीर भी साझा की, जिसमें वह जनसभा को संबोधित करते दिख रही हैं। कांग्रेस ने ट्वीट किया था, ''कांग्रेस किसी को भी कर्नाटक की प्रतिष्ठा, संप्रभुता या अखंडता के लिए खतरा पैदा नहीं करने देगी। इस पर अनुराग ठाकुर ने ट्वीट किया, ''सोनिया गांधी जी, कर्नाटक की सम्प्रभुता का उल्लेख करके आपने भारत को विभाजित करने की कांग्रेस की गहरी साजिश को उजागर किया है। ठाकुर ने कहा कि लोग इस बात को नहीं भूले हैं कि कांग्रेस की सरकार ने जनभावना के खिलाफ, शरारतपूर्ण तरीके से कर्नाटक के लिए पृथक ध्वज पेश किया था जो भाजपा के 'एक देश, एक ध्वज नारे का मजाक उड़ाने के उद्देश्य से किया गया।

2018 के विधानसभा चुनाव से पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री सिद्धरमैया नीत कांग्रेस सरकार ने कर्नाटक के एक नये प्रदेश ध्वज के डिजाइन को मंजूरी दी थी और एक प्रस्ताव केंद्र के पास भेजा था। ठाकुर ने दावा किया, '' न तो सोनिया गांधी जी और न ही उनकी पार्टी ने भारत को एक राष्ट्र के रूप में स्वीकार किया। कन्नड़ लोग कांग्रेस के खेल को विफल कर देंगे।

सम्पादकीय

दवा भी है खाना

पूरी दुनिया इस बात को लेकर हैरत में थी कि सघन आबादी वाले तथा अपर्याप्त चिकित्सा सुविधा वाले देश में कोरोना महामारी के बीच मश्त्यु दर कम कैसे रही। जबकि कम आबादी वाले संपन्न व पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं वाले देशों में मौत का आंकड़ा कहीं ज्यादा रहा। विश्व के कई देशों के वैज्ञानिक अब इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि भारतीय व्यंजन स्वाद के साथ तमाम चिकित्सीय गुणों से भरपूर हैं। लेकिन विडंबना यही है कि भारत में विदेशी शासन के लंबे दौर ने ऐसी दासता की मानसिकता को जन्म दिया कि हम अपनी समृद्ध परंपरा व खानपान को छोड़कर विकृतियां पैदा करने वाली खाद्य शश्ंखला को अपना रहे हैं। हम अपनी विरासत पर तब गर्व करते हैं जब पश्चिमी अनुसंधान व शोध उस पर मोहर लगा देते हैं। एक हालिया वैज्ञानिक अध्ययन ने कई देशों में शोध ा–सर्वेक्षण के बाद माना कि भारतीय भोजन स्वास्थ्यवर्धक पाये गये हैं। दरअसल, ब्राजील, जॉर्डन, सऊदी अरब, स्विट्जरलैंड और भारतीय वैज्ञानिकों की टीम द्वारा किये अध्ययन की रिपोर्ट हाल में इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च अर्थात, आईसीएमआर के एक जर्नल में प्रकाशित हुई हुई है। दरअसल, इस अध्ययन में जहां अधिक मश्त्यु दर वाले अमेरिकी व यूरोपीय देशों को शामिल किया गया तो दूसरी ओर कम मश्त्यु प्रतिशत वाले भारत को भी।

ज्यादा मश्त्यु दर वाले अमेरिका व यूरोप के चार देशों की बारह खानपान की वस्तुओं के रोजमर्रा के उपभोग के आंकड़े जुटाये गये। वास्तव में यह अध्ययन न्यूट्रिजेनोमिक्स से संबंधित है, जिसके अंतर्गत जीनोम पर खाने से होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन किया जाता है। इस तरह भारतीय खानपान न्यूट्रिजेनोमिक्स की कसौटी पर खरे पाये गये। भारतीयों की खानपान की शैली व गुणवत्ता ने पश्चिमी वैज्ञानिकों को चौंकाया है। बताया जाता है कि कोरोना संकट के दौरान दवा व उपचार के साथ भारतीय खानपान ने भी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाया है। इस खाने में चाय, हल्दी, राजमा–चावल व इडली–सांभर भी शामिल हैं। इस वैज्ञानिक अध्ययन ने हमारे आयुर्वेद, योग व पुरखों के ज्ञान की वैज्ञानिकता पर मोहर लगायी है। निस्संदेह, इम्यूनिटी बढ़ाने के गुण के कारण पूरी दुनिया में इनकी स्वीकार्यता बढ़ेगी। वैज्ञानिक अध्ययन बताते हैं कि विश्वव्यापी कोरोना लहर के दौरान भारत में शेष दुनिया की तुलना में कम मौतें हुई थीं। पश्चिमी देशों में मौतें पांच से आठ गुना ज्यादा थीं। दुनिया इस बात को लेकर हैरत में थी कि कम आबादी वाले देशों में मौत का आंकड़ा अधिक था, लेकिन घनी आबादी बाले भारत में लोग महामारी के साथ मजबूती के साथ लड़ रहे थे। वहीं दूसरी ओर भारत में इस महामारी से जूझने के लिये जरूरी दवा, ऑक्सीजन व आपातकालीन सुविधाओं का लगभग अभाव ही था। यही बजह है कि वैज्ञानिकों ने शोध का निर्णय लिया कि क्या भारतीयों के आहार की इम्यूनिटी बढ़ाने की क्षमता से ही कोरोना की गंभीरता और मौतों का मुकाबला किया जा सका। लेकिन जोखिम और भोजन को जोड़कर जब अध्ययन किया गया तो वैज्ञानिकों ने पाया कि टीकाकरण व अन्य उपायों सहित भोजन की आदतों और परंपरागत खानपान ने भारतीयों को उच्च मृत्यु दर से बचाया है।

भाजपा का हल्ला और कांग्रेस की चुप्पी!

कर्नाटक विधानसभा चुनाव जैसे जैसे नजदीक आ रहा है वैसे वैसे भाजपा का हल्ला बढ़ता जा रहा है, जबकि उसी अनुपात में कांग्रेस का शोर थमता जा रहा है। सवाल है कि कांग्रेस ने कैसे इस तरह से अपना चुनाव प्रचार प्लान किया कि आखिरी दिनों में बड़े नेताओं का प्रचार नहीं हो रहा है? राहुल गांधी की आखिरी चुनावी सभा दो मई को हुई, उसके बाद छह मई तक वे प्रचार के लिए नहीं गए। पता नहीं दिल्ली में वे क्या करते रहे? शुक्रवार को जरूर यह सुनने में आया कि वे दिल्ली यूनिवर्सिटी गए थे और पीजी मेन्स हॉस्टल में यूनिवर्सिटी के छात्रों से मिले और उनके साथ खाना खाया। क्या यह काम उनको कर्नाटक की किसी यूनिवर्सिटी में जाकर नहीं करना चाहिए था?

इसी तरह प्रियंका गांधी वाड्रा की आखिरी रैली भी दो मई को हुई और उसके बाद वे छुट्टी मनाने राजस्थान के रणथंभौर चली गईं। कांग्रेस के दोनों स्टार प्रचारकों के ऐन मतदान से पहले छुट्टी पर जाने के बाद सोनिया गांधी कर्नाटक पहुंचीं और उन्होंने हुबली में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। चार साल के बाद वे किसी चुनाव प्रचार में उतरी थीं तो इसका माहौल बना लेकिन उस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो भारी पड़ा। कांग्रेस नेताओं के प्रचार से छुट्टी लेने के मुकाबले भाजपा के प्रचार को देखें तो फर्क पता चलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने एक तरह से कर्नाटक में डेरा डाला है। शुक्रवार से रविवार तक तीन दिन लगातार उनके कार्यक्रम लगे। उन्होंने शुक्रवार और शनिवार को छह चुनावी रैलियों को संबोधित किया और एक रोड शो किया। रविवार को वे तीन सभा करेंगे और बेंगलुरू में रोड शो करेंगे। वे बजरंग बली से लेकर श्द केरल स्टोरीच फिल्म तक का मुद्दा बना रहे हैं और कांग्रेस के शीर्ष नेता आराम करते रहे।

ब्रिटेन का राज युग

ब्रिटेन में भव्य आयोजन में किंग चार्ल्स तृतीय और क्वीन कैमिला की ताजपोशी सम्पन्न हुई। दुनिया भर से आए मेहमानों के अलावा टीवी और इंटरनेट के जरिए करोड़ों लोग इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का गवाह बने। महारानी एलिजाबेथ के निधन के बाद चार्ल्स को औपचारिक रूप से सम्राट घोषित किया गया था। उनकी ताजपोशी ऐसे समय में हुई है जब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री भारतीय मूल के ऋषि सुनक हैं। ब्रिटेन हमेशा से ही ताजपोशी समारोहों को दुनिया के सामने अपने शाही ठाठ–बाट से पेश करने के लिए लोकप्रिय रहा है, लेकिन यह समारोह सदियों पुरानी परम्पराओं में रचा–बसा एक बेहद ध ार्मिक आयोजन से भी जुड़ा हुआ है। ब्रिटेन में पिछला ताजपोशी समारोह 1953 में हुआ था, तब से लेकर आज तक ब्रिटेन और पूरी दुनिया में बहुत कुछ बदल चुका है। इसलिए नई पीढ़ी को इस समारोह के लिए जिज्ञासा जरूर थी। ब्रिटेन के ताजपोशी समारोह की संवैधानिक अहमियत कुछ नहीं है, बल्कि एक परम्परा है जब किंग और क्वीन सार्वजनिक रूप से कानून की मर्यादा बनाए रखने और दया के साथ इंसाफ करने का वादा करते हैं। आज के युग में जब राजशाही के प्रति लोगों की मानसिकता बदल चुकी है और कई देशों में राजशाही शासन को उखाड़ने के लिए क्रांतियां हो चुकी हैं, लेकिन आज भी दुनिया के 43 देशों में राजशाही का शासन चलता है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण ब्रिटेन है। एक समय लगभग पूरी दुनिया पर कब्जा रखने वाला देश आज भी उसी शिद्दत से अपने राजा का सम्मान करता है। इसके पीछे वहां का संविधान और उसके प्रति लोगों का विश्वास काम करता है जिसमें राजा और जनता के द्वारा चुनी हुई सरकार दोनों आपस में संवैधानिक शक्तियों का बंटवारा करते हैं। राजा सरकार के काम में दखल नहीं दे सकता है, पर उसके दस्तखत के बिना किसी कानून को लागू भी नहीं किया जा सकता। इस व्यवस्था को संवैधानिक राजशाही कहा जाता है।अब जबकि किंग चार्ल्स की ताजपोशी हो चुकी है। वह कनाडा, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड सहित 15 विभिन्न देशों में राज्य के प्रमुख हैं। ब्रिटेन दूसरे देशों के लिए एक आदर्श है जहां लोकतंत्र को कड़ी अग्नि परीक्षा में गुजरना पड़ा है। तब जाकर राजा और सरकार में शक्तियों का बंटवारा हुआ है। दुनिया के कई देशों में आज भी पूरी शक्तियां राजा के पास ही हैं और उनके द्वारा लिया गया फैसला ही अंतिम होता है। इसमें सऊदी अरब, वेटिकन सिटी और अन्य कई देश आते हैं। ब्रिटेन में राजा केवल औपचारिक क्षमता में कार्य करता है जिसमें लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को राष्ट्र पर शासन करने की अनुमति मिलती है। ब्रिटेन में यह व्यवस्था सफलतापूर्वक काम कर रही है। राजशाही व्यवस्था का सबसे बड़ा घातक पहलू यह है कि उनका शासन निरंकुश हो जाता है। समय–समय पर लोगों ने निरंकुश शासन के खिलाफ आंदोलन चलाए हैं और कई देशों में लोकतंत्र की स्थापना भी हुई है। ब्रिटेन के लोगों का एक वर्ग राजशाही को महज एक परम्परा ही मानते हैं। 2021 में कराए गए एक सर्वेक्षण में 63 प्रतिशत लोगों का मानना था कि भविष्य में भी राजशाही बनीं रहे जबकि कुछ लोगों का मानना था कि उन्हें अब राजशाही ध्की जरूरत नहीं। राजशाही उपनिवेशवाद का अवशेष है। अब समय बहुत बदल गया है। कुछ लोगों का कहना था कि ब्रिटेन के करदाताओं का पैसा शाही परिवार पर खर्च हो रहा है जबकि इस की जरूरत नहीं है। करदाताओं के पैसे का इस्तेमाल राजघराने से जुड़े दूर के लोगों के लिए भी किया जाता है क्योंकि उनकी उपाधि से जुड़े कई काम होते हैं। उनकी सुरक्षा पर भी खर्च किया जाता है लेकिन वे देश के लिए कुछ नहीं करते। कुछ लोगों का मानना है कि अगर ताजपोशी समारोह न भी होता तो भी चार्ल्स उनके किंग ही रहते। लेकिन बुजुर्ग लोगों का मानना है कि राजशाही के कई संवैधानिक कर्त्तव्य हैं। राजघराना सार्वजनिक व धर्मार्थ सेवाओं के जरिए राष्ट्र एकता को मजबूत करने और स्थिरता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जबकि युवा वर्ग राजशाही के समर्थन में दिखाई नहीं देता। राजघराने के पैलेस की ऊंची दीवारों के भीतर रंगभेद या नस्लभेद को लेकर भी सवाल खड़े हुए थे जब प्रिंस हैरी और उनकी अभिनेत्री पत्नी मेगन मार्कल ने राजघराने की सारी सुख सुविधाएं छोड़ कर कैलिफोर्निया में रहने को प्राथमिकता दी थी। राजमहल के भीतर के घटनाक्रम पर मेगन ने कई सवाल उठाते हुए स्वतंत्र जीवन बिताने को प्राथमिकता दी थी। अपने पिता की ताजपोशी समारोह में केवल अकेले हैरी ही आए। ब्रिटेन के युवाओं ने ताजपोशी समारोह को अमीरों का शौक और पैसे की बर्बादी ही बताया है। आज की अनिश्चितताओं से भरी दुनिया में जब शासक वर्ग कानूनों की धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे हैं। ऐसी स्थिति में चार्ल्स की ताजपोशी संवैधानिक राजतंत्र को मानने वाले एक राजा को राहत भरी अनुभूति कराता है।**–आदित्य नारायण**

मानव जीवन एक पहेली. मनोबल से परिस्थितियों को अनुकूल बनाएंस

मनुष्य को मानव जीवन बड़ी मुश्किल से मिलता है और मानव जीवन अमूल्य है। मनुष्य जीवन ही ऐसा है जिसमें मस्तिष्क, सोचने की क्षमता होती है और हंसने मुस्कुराने का विशिष्ट गुण होता है और यही गुण मनुष्य को पशु पक्षी और जानवर से पश्थक करता है। मानव जीवन नाटकीय परिस्थितियों से भरा पड़ा है। जिंदगी जीने के कई दृष्टिकोण मनुष्य के सामने होते हैं कई व्यक्ति आर्थिक सफलता को जीवन में सर्वोच्च स्थान देता है, कोई समाज सेवा को और कोई सामाजिक सम्मान का अति लोभी भी हो जाता है ,कोई व्यक्ति राजनीति के उच्चतम शिखर पर पहुंचना चाहता है ।यह सभी मनुष्य के जीवन जीने के अलग अलग तरीके हो सकते हैं अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए क्या आवश्यक साधन एवं तरीके अपनाए जाएं यह एक यक्ष प्रश्न की तरह मनुष्य के सामने खड़ा होता है। मनुष्य का हमेशा जिंदगी जीने के लिए एक ललक और प्यास रखने की आवश्यकता होती है जीवन को यह अंतिम जीवन हैं कहकर जीने की आवश्यकता होती है एवं इसे निश्चित धैर्य में बांधकर जीवन जीने की बजाए प्रयोग के साथ नवीनता और परिवर्तनशीलता लबालब रखना चाहिए मगर शर्त यह है कि यह मनुष्य के जीने का तरीका सामाजिक नियमों या परिपाटी का खुला उल्लंघन ना हो। खुले जीने के तरीके मनुष्य को आत्म संतुष्टि प्राप्त नहीं होती है। जीवन जीने का तरीका एक यह भी है की विपरीत परिस्थितियों से डटकर मुकाबला कर उसे सहज स्वीकारना चाहिए। वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में जहां पूरी दुनिया एक वैश्विक ग्राम बनकर रह गई है वहां जीवन नाटकीय ता से परिपूर्ण हो सकता है क्योंकि मनुष्य का आज का जीवन विश्व की तमाम क्रिया प्रतिक्रिया एवं घटनाओं से काफी हद तक प्रभावित होता रहा है भले ही उससे समक्ष या परोक्ष रूप से मनुष्य जुड़ा हुआ हो या न हो। हाल की घटनाओं में ले लीजिए रूस यूक्रेन युद्ध से पूरा विश्व जनमत प्रभावित हुआ है एवं वैश्विक महंगाई में भी इजाफा हुआ है क्योंकि विश्व के तेल आयातक देश प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुए। मनुष्य के निजी जीवन में कई घटनाएं, दुर्घटनाएं आकस्मिक सामने आ जाती हैं तो ऐसे में मनुष्य को बिना हिचकिचाहट दर्शाए उन परिस्थितियों से रूबरू होकर उसका सामना संयम ,मनोबल तथा पूरी शक्ति से करना चाहिए ऐसे में निश्चित तौर पर मनुष्य को विषम परिस्थितियों में सफलता प्राप्त होती है। क्योंकि मनुष्य को श्रम करने की आदत हो तो जीवन के अनेक पहलुओं को भाग्य के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। जीवन के अनेक दृष्टिकोण से परिस्थितियों को गुणवत्ता के आध ार पर स्वीकार तथा आज स्वीकार करते हुए निरंतर अग्रसर होते रहना चाहिए और कठिन श्रम निरंतर मेहनत पर मनुष्य को भरपूर भरोसा होना चाहिए। क्योंकि कर्म पर भरोसा रखने से और इस प्रक्रिया से भविष्य के परिणाम बहुत ज्यादा प्रभावित करते हैं जीवन को सकारात्मक विचारों के साथ निरंतर आगे बढ़ाकर परिस्थितियों का दास नहीं उस पर नियंत्रण करता होना चाहिए, तब जाकर मनुष्य अपने लक्ष्य को सफलता के रूप में प्राप्त कर सकता है। मनुष्य को केवल जीवन जीना ही नहीं है उसे उस जीवन को सफल और सफलता के चरमोत्कर्ष तक पहुंचाना होता है। साधारण जिंदगी जिए और मश्त्यु को प्राप्त हो गए ऐसा जीवन तो जानवर पशु पक्षी भी जीते हैं यदि आपको मनुष्य योनि में जन्म मिला है तो इसे सार्थक करने के लिए आपको अनथक प्रयत्न कर इस लोक जगत और मानव सभ्यता के लिए परोपकार की भावना भी आपके व्यक्तित्व में समाहित करना होगा। मनुष्य इस बात को जितने जल्दी समझ जाए कि उसका जीवन केवल उसके लिए नहीं है बल्कि संपूर्ण मानव जगत और इस भव संसार की भलाई के लिए भी है तब ही उसका जीवन सार्थक एवं सफल हो सकता है। साहस मनोबल और श्रम की परिणति ही परिवर्तन लाती है और परिवर्तन प्रकृति का नियम है और परिवर्तन से व्यक्ति समाज देश और संपूर्ण विश्व में खुशहाली लाती है। जीवन जीने का आशय जीवन में आकस्मिकता ,परिवर्तनशीलता और निरंतर परिस्थितियों में सुधार लाने का प्रयास ही होना चाहिए, मनुष्य को निरंतर जीवन में परिवर्तन तथा नवाचार के लिए प्रयासरत रहना होगा तभी उसके जीवन का मूल उद्देश्य सार्थक एवं सफल हो सकता है।**–संजीव ठाकुर**

आज का राशिफल

मेष :– जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है। नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का एहसास होगा। संतान संबंधित दायित्वों की पूर्ति होगी।

बृषभ :– शासन–सत्ता से जुड़े लोगों से निकटता बढ़ेगी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य पूर्ण होने के आसार हैं। पुराने संबंधों से लाभ संभव। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। आलस्य का त्याग करें।

मिथुन :– सगे–संबंधियों के बीच व्यवहार कुशल बने। सामाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागेदारी संभव। निकट संबंधों में मधुर संवाद से सुंदर छबि बनायें। महत्वपूर्ण प्रयत्न सार्थक होंगे।

कर्क:– विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होंगी। नवीन आशाएं नये उत्साह का संचार करेंगी। कार्यक्षेत्र में संबंधों का भरपूर लाभ मिलेगा।

सिंह :– अंतमरुखी स्वभाव को त्याग बाह्यमुखी बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होगी। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रही जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। परिजनों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होंगे।

कन्या :– पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे। शिक्षा में समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन चिंतित होगा।

तुला :– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। पारिवारिक वातावरण में उत्साह का माहौल रहेगा। दुविधाओं का त्याग करें।

वृश्चिक :– कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरें में ब्यस्तता बढ़ेगी। परिजनों के भावनात्मक सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख व मजाकिया स्वभाव से प्रसन्नता बिखेरेंगे।

धनु :– कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा में वशद्धि होगी। घरेलू दायित्वों के प्रति सक्रियता से आपकी महत्ता बढ़ेगी।

मकर :– भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकट संबंधों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी होंगी। तामसी व गैर सांस्कारिक कायरें की ओर आकर्षित मन पर अंकुश लगायें।

कुंभ :– कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत् क्षेत्रों में संघर्ष संभव किंतु निराशावादी विचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन व्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

मीन :– नकारात्मक चिंताओं को त्याग अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी–पेशे में अधिकारियो व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनीतिक लोगों सहयोग प्राप्त होगा।

कश्मीर से केरल तक एक ही स्टोरी

आतंकवाद की पश्ष्ठभूमि पर बनी फिल्म द केरला स्टोरी अपने प्रदर्शन के शुरुआती दिनों में ही जबरदस्त कमाई कर रही है। फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन रोजाना करोड़ों में हो रहा है। इस फिल्म से जुड़े सभी लोगों के लिए मुनाफा है, लेकिन देश को इस फिल्म से और इस फिल्म के जरिए जो माहौल बनाने की कोशिश की गई है, उससे घाटा हो रहा है। फिल्म में 3 लड़कियों की कहानी दिखाई गई है, जिन्हें बहला–फुसलाकर उनका धर्म परिवर्तन किया जाता है और फिर आतंकी संगठन आईएसआईएस में उन्हें भर्ती किया जाता है।

दुनिया में इस तरह की घटनाएं बहुत होती हैं। आतंकी संगठनों में शामिल करने के लिए लोगों का ब्रेन वॉश किया ही जाता है, क्योंकि कोई भी सामान्य समझ रखने वाला इंसान धर्म के नाम पर दूसरे की जान लेने या आतंक फैलाने के लिए तैयार नहीं होगा। उसे धर्मांध बनाकर ही आतंकवाद के कुत्सित इरादे सफल हो सकते हैं। धर्म परिवर्तन और आतंकवाद के इसी संबंध को दिखाकर, उसे केरल की पृष्ठभूमि से जोड़कर फिल्म बना दी गई और नाम रख दिया द केरला स्टोरी। नाम से एकबारगी धारणा यह बनती है कि यह पूरे केरल की कहानी है। इस फिल्म को बनाने के पीछे असली मकसद क्या है, क्या इससे आतंकवाद के खिलाफ कोई संदेश देना है या फिर हिंदू–मुस्लिम के बीच संदेह का वातावरण कायम करना है या ये बताना है कि केरल में हिंदू लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं, ये स्पष्ट नहीं है। लेकिन इतना तय है कि देश के चुनावी माहौल में राजनैतिक मकसद पूरा करने के लिए यह फिल्म बढ़िया जरिया बन गई है। फिल्म को हिट होना ही था, तो क्योंकि भाजपा के स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनाव प्रचार करते हुए फिल्म का प्रचार भी कर दिया। उन्होंने कर्नाटक की एक रैली में इस फिल्म के बारे में कहा कि फिल्म आतंकी साजिश पर आधारित है और आतंकवाद के बदसूरत सच को दिखाती है। कांग्रेस आतंकवाद पर बनी फिल्म का विरोध कर रही है और आतंकवाद के साथ खड़ी है। कांग्रेस वोट बैंक के लिए आतंकवाद का बचाव कर रही है। प्रधानमंत्री ने यह फिल्म शायद नहीं देखी होगी, क्योंकि देखी होती तो अब तक उसकी खबर भी आ जाती। वैसे भी चुनाव प्रचार की व्यस्तता में उन्हें फिल्म देखने का अवकाश नहीं मिला होगा। तो यह माना जा सकता है कि शायद फिल्म के ट्रेलर को देखकर उन्हें इस की कहानी के बारे में पता चला होगा। लेकिन ट्रेलर में जो कुछ दिखाया गया है, वह भी काल्पनिक है। फिल्म के टीजर में दावा किया गया था कि केरल की 32,000 से अधिक महिलाओं को आईएसआईएस में भर्ती किया गया

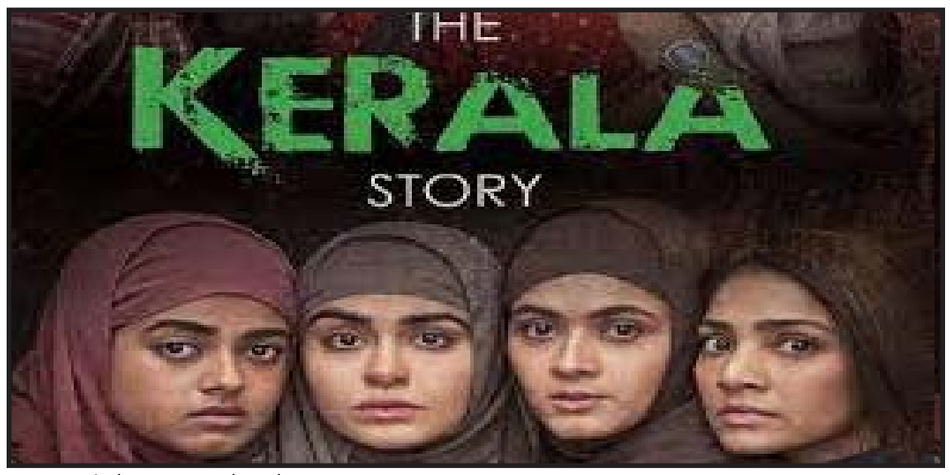

था। इस आंकड़े पर सवाल उठे, आरोप लगे कि केरल को इस्लामी आतंकवाद के रूप में चित्रित करने की साजिश है, अदालत में फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग भी की गई, तो अब निर्माताओं ने हाईकोर्ट में कहा है कि वे इस भ्रामक दावे को सोशल मीडिया से हटा देंगे। जब आंकड़ों को लेकर संदेह था तो उसे टीजर में इस तरह क्यों दिखाया गया, मानो वही कड़वी सच्चाई है। और क्यों देश के प्रध ानमंत्री चुनाव जैसे गंभीर अवसर पर एक ऐसी फिल्म का जिक्र कर रहे हैं, जिसमें सच और झूठ का घालमेल है। श्री मोदी ने इस फिल्म के आधार पर आतंकवाद जैसे गंभीर मसले पर कांग्रेस की सोच को लेकर सवाल खड़े किए। प्रधानमंत्री से पूछा जाना चाहिए कि क्या आतंकवाद को लेकर कोई भी लड़ाई इतनी हल्की हो सकती है कि उसकी दिशा कोई फिल्म तय करे। केरल में आतंकवाद के लिए ध ार्मांतरण की समस्या अगर है तो इसका खुलासा राष्ट्रीय जांच एजेंसी और खुफिया एजेंसियों से होना चाहिए या कोई फिल्म इस बारे में जानकारी देगी और सरकार उस मुताबिक काम करेगी। कांग्रेस ने फिल्म में आतंकवाद और धर्मांतरण के मुद्दे के ट्रीटमेंट का विरोध किया है, क्योंकि इससे केरल की छवि खराब हो रही है। लेकिन मोदीजी ने फिल्म के विरोध को आतंकवाद के साथ खड़े होने के बराबर कर दिया। ऐसा नहीं है कि पहली बार आतंकवाद की पृष्ठभूमि पर कोई फिल्म बनी हो। द्रोहकाल, माचिस, मिशन कश्मीर ऐसी न जाने कितनी फिल्में आतंकवाद की पृष्ठभूमि पर बनी हैं। लेकिन द केरला स्टोरी के जरिए कोई और ही नैरेटिव सेट करने की कोशिश दिखाई दी। ऐसी ही कोशिश कश्मीर फाइल्स में भी दिखी। उस फिल्म का भी खूब प्रचार भाजपा ने किया। कई राज्यों में फिल्म टैक्स फ्री की गई। भाजपा के बड़े नेताओं ने पूरे प्रचार के साथ इस फिल्म को देखा। जब गोवा फिल्म फेस्टिवल में इफ्फी के जूरी सदस्य नदाव लापिड ने इसे भ्रामक प्रचार करार दिया, तो उस पर खूब बवाल भी मचा। तब जूरी के एक अन्य सदस्य सुदीप्तो सेन ने लापिड के बयान से किनारा कर लिया था। अब उन्हीं सुदीप्तो सेन ने द केरला स्टोरी को निर्देशित किया है।कश्मीर फाइल्स से लेकर केरला स्टोरी तक यही माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है कि भारत में हिंदू असुरक्षित हैं, वे आतंकवाद का शिकार हैं, जो इस्लाम से संबंधित है। संदेह का यही वातावरण चुनावों के वक्त भी बनाया जाता है, ताकि धर्म की रक्षा के नाम पर लोग भाजपा को वोट दे। केरल में भाजपा लाख कोशिश के बावजूद सरकार नहीं बना पाई है। बल्कि ई.श्रीधरन जैसे सम्मानित व्यक्ति को भी भाजपा की राजनीति के कारण केरल की जनता ने नकार दिया। इस छोटे से प्रगतिशील राज्य ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन आदि में नयी ऊंचाइयां छुई हैं। यहां वामदलों के अलावा कांग्रेस का जनाधार है। राहुल गांधी को केरल के वायनाड से ही लोकसभा में जीत मिली थी। हिंदू, मुस्लिम, ईसाई सभी यहां अमन चौन से रहते हैं। लेकिन अब उसे एक बेबुनियाद डर दिखाकर खत्म किया जा रहा है। केरला स्टोरी जिन्हें देखना है, वो देखें, लेकिन इतना ध्यान रखें कि ढाई घंटे के तमाशे में पूरी कमान खेल दिखाने वाले के हाथ में रहती है। वह जिस तरह चाहे, चीजों को प्रस्तुत करता है। इसलिए उसे पूरा सच नहीं मानना चाहिए और याद रखना चाहिए कि आधा सच सबसे खतरनाक होता है।

आमूल बदलाव के संकेत

वैसे यह सच है कि चीन की कुछ नीतियां ही युवान के अंतरराष्ट्रीयकरण की राह में बाधक हैं। मसलन, पूंजी नियंत्रण एक ऐसी नीति है, जिसके रहते युवान के लिए डॉलर की जगह ले पाना मुश्किल बना रहेगा।

दुनिया की वित्तीय व्यवस्था में आमूल परिवर्तन के संकेत मिल रहे हैं। अब यह पश्चिमी विशेषज्ञ भी मानने लगे हैं कि जिस तरह से चीन की मुद्रा युवान में अंतरराष्ट्रीय भुगतानों की संख्या बढ़ रही है, उससे अमेरिकी डॉलर के समानांतर एक नई भुगतान व्यवस्था की नींव तैयार हो रही है। दरअसल, पश्चिमी मीडिया में इस बदलाव की चर्चा भरी पड़ी है। इस परिघटना को डि–डॉलराइजेशन के नाम से जाना जा रहा है। दरअसल, आंकड़ों के मुताबिक मार्च में पहली बार ऐसा हुआ कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले युवान में ज्यादा भुगतान किया गया। हालांकि अमेरिकी डॉलर अब भी दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक भुगतानों की प्रमुख मुद्रा है, लेकिन पश्चिम एशिया से लेकर रूस और लैटिन अमेरिका तक ऐसे देशों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जो चीन के साथ द्विपक्षीय व्यापार में भुगतान युवान में कर रहे हैं। पश्चिमी विश्लेषकों के मुताबिक ऐसी संभावना फिलहाल कम ही दिखती है कि पूरी दुनिया में आपसी भुगतान युवान में होने लगे। लेकिन यह सच है कि एक नया व्यापारिक ढांचा खड़ा हो रहा है।

खास तौर पर रूस को पश्चिमी भुगतान व्यवस्था से बाहर किए जाने के कदम ने इस व्यवस्था को मजबूती दी है, क्योंकि रूस के साथ व्यापार करने वाले देश अब वैकल्पिक व्यवस्थाएं तलाश रहे हैं। विशेषज्ञों ने ध्यान दिलाया है कि चीन, रूस और ब्राजील दुनिया के सबसे बड़े कमोडिटी निर्यातक और आयातक हैं। वे अब अंतरराष्ट्रीय लेन–देने के लिए युवान का इस्तेमाल करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उनका सहयोग अन्य देशों को भी युवान की ओर आकर्षित कर सकता है। फिलहाल अंतरराष्ट्रीय लेन–देन में युवान का हिस्सा मात्र 2.2 प्रतिशत है। लेकिन उसका हिस्सा धीरे–धीरे बढ़ रहा है। अभी तक दुनिया के व्यापारिक लेन–देन पर अमेरिकी डॉलर, यूरो, स्टर्लिंग और येन का कब्जा रहा है। यह पहला मौका है, जब इसमें एक महत्त्वपूर्ण बदलाव आता दिख रहा है। वैसे यह सच है कि चीन की कुछ नीतियां ही युवान के अंतरराष्ट्रीयकरण की राह में बाधक हैं। मसलन, पूंजी नियंत्रण एक ऐसी नीति है, जिसके रहते युवान के लिए डॉलर की जगह ले पाना मुश्किल बना रहेगा।

मणिरामदास छावनी में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते सीएम योगी

- कहा–रामभक्तों पर गोली चलाने वालों को वोट मिला तो खराब संदेश जाएगा
- अयोध्या जितनी सुंदर, भारत के बारे में उतनी ही अच्छी धारणा बनेगी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या से कोई रामभक्त लोकतंत्र के इस पर्व में विजयी होकर जाता है तो यहां के बारे में अच्छी धारणा बनती है पर जब रामभक्तों पर गोली चलाने वाला व्यक्ति कुछ भी वोट पा लेता है तो उसका बहुत खराब संदेश जाता है। लोगों के मन में धारणा जाती है कि ये सब क्या हो रहा है। यह लोकतंत्र का पर्व है, सबको एक वोट देना है। किसी का वोट छोटा–बड़ा नहीं है। सीएम ने आह्वान किया कि यहां 60 वॉर्ड हैं। 60 टोली बनाकर अपने बीच के महंत गिरीश पति त्रिपाठी व बोर्ड बनाने के लिए जनता से अपील कर दीजिए। अयोध्या हमारी है और इसके प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी भी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को मणिरामदास छावनी में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के महापौर प्रत्याशी गिरीश पति त्रिपाठी के पक्ष में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या को हम विकास के सर्वोच्च शिखर पर पहुंचाएंगे। अयोध्या पर देश दुनिया की नजर है, इसलिए यहां सर्वांगीण विकास के लिए सशक्त बोर्ड का गठन होना आवश्यक है। जब सशक्त बोर्ड गठित होगा तो विकास तीव्र होगा। सीएम ने कहा कि आज दुनिया में भारत के प्रति धारणा बदली है। वैश्विक संकट के समय दुनिया अब पीएम मोदी की ओर संकटमोचक के रूप में देखती है, ऐसे में यूपी किंकर्तव्यविमूढ़ की स्थिति में नहीं रह सकता। हमें बदलते भारत के साथ खुद को जोड़ना होगा। यूपी ने अपने बारे में बनाई गई धारणा को आप सबकी कृपा व आशीर्वाद से छह वर्ष में बदलने में सफलता पाई है। सीएम ने कहा कि छह वर्ष पहले कहीं बाहर जाते होंगे तो यूपी–संतों के बारे में अच्छी धारणा नहीं होती थी पर आज यूपी के नाम पर हर जगह सम्मान मिलेगा। हर कोई बोलेगा कि आप यूपी से आए हैं और संत हैं तो सोने पर सुहागा। संतों को सम्मान मिलता है, यह बहुत अच्छा लगता है।

सीएम ने कहा कि 2017 से लगातार हम सभी दीपोत्सव के कार्यक्रम में भागीदार बनते हैं। विगत वर्ष पीएम ने उपस्थित होकर इसे नई ऊंचाइयां दीं। दीपोत्सव हमें त्रेतायुग की ओर ले जाता है। दुनिया अयोध्या आने के लिए लालायित रहती है। इस वर्ष रामनवमी में ही 35 लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे थे। जनवरी में जब प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण पूरा होगा तो एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु आएंगे। नगर निगम में मजबूत बोर्ड होना चाहिए। अयोध्या जितनी अच्छी, सुंदर, स्वच्छ होगी, उतनी ही अच्छी धारणा सनातन धर्म, पूज्य संतों, तीर्थस्थल व भारत के बारे में देश–दुनिया में जाएगी। सीएम ने कहा कि राम जन्मभूमि आंदोलन से उनकी तीन पीढ़ियां जुड़ी हैं। वो खुद भी आत्मिक भाव से सर्वाधिक समय अयोध्या को देते हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या से उनका विशेष लगाव है। पिछले बोर्ड ने अच्छा करने का प्रयास किया।

प्रदर्शन कर अंडरपास और मुआवजा दिए जाने की मांग

लालगंज,रायबरेली। गंगा एक्सप्रेस वे की निर्माण करने वाली एजेंसी के खिलाफ ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया है। ग्रामीणों का प्रदर्शन अंडरपास बनाए जाने व शेष रह गए मुआवजे की मांग को लेकर किया गया। इसके पूर्व भी ग्रामीण कई बार धरना प्रदर्शन कर चुके हैं लेकिन सुनवाई ना होने के चलते ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। मामला लालगंज तहसील क्षेत्र के रानीपुर गांव की 1000 आबादी का है। ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव से मुबारकपुर को जाने वाले चक मार्ग रास्ते पर गंगा एक्सप्रेसवे की सड़क बन रही है। अगर अंडरपास में बनाया गया तो उन लोगों का रास्ता बंद हो जाएगा और उन्हें 5 किलोमीटर घूम कर जाना पड़ेगा। इसके अलावा गांव के अमर किशोर, कमल किशोर, रामनरेश, मोतीलाल और एक अन्य ग्रामीण ने मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार वेद प्रकाश से बताया कि अभी तक उनके घरों का मुआवजा नहीं मिला है लेकिन गंगा एक्सप्रेसवे के ठेकेदार घर गिराने की बात कर रहे हैं। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि जब तक मुआवजा ना मिले, घर ना गिराया जाए।

रैलियों, रोड-शो में हजारों की भीड़ फिर भी मतदान प्रतिशत बेहद कम क्यों

- कम मतदान के कारण जानने दैनिक भास्कर की विशेष प्रस्तुति
- आखिर शहरी मतदाता की बेरुखी के क्या कारण है ?

प्रयाग दर्पण संवाददाता

सीतापुर। आज के समय में ये मुद्दा हाल में ही जिले में सम्पन्न हुए निकाय चुनाव में सदर सीट के साथ कई अन्य सीटों के लिए बेहद प्रासंगिक हो चुका है और आखिरकार इस मुद्दे पर चर्चाएं क्यों न हों क्योंकि हर बार जब भी जिले में कोई भी चुनाव संपन्न होता है उससे पहले जब नेता चुनावी रैलियां करते हैं उस समय उनमें हजारों, लाखों की भीड़ दिखाई देती है पर जिस दिन मतदान होता है और शाम को मतदान के आंकड़े सामने आते हैं तब चुनावी रैलियों की हजारों, लाखों की भीड़ वोट प्रतिशत में अचानक गायब हो जाती है और वोट प्रतिशत भीड़ के मुताबिक बढ़ता नहीं दिखाई देता है बल्कि ये पिछले चुनावी आंकड़ों से भी कम पर चला जाता है, 4 मई को जिले में संपन्न हुए निकाय चुनाव से पहले जिले की तीन निकाय सीटों पर प्रदेश की दिग्गज राजनीतिक हस्तियों सीएम योगी आदित्यनाथ ने मिश्रिख–नैमिषारण्य, सीतापुर, डिप्टी

सीएम बृजेश पाठक ने बिसवां और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सीतापुर में चुनाव प्रचार किया, इस दौरान इन नेताओं की रैलियों में हजारों की संख्या में भीड़ देखी गई, पर 4 मई की शाम को जब इन तीनों निकाय का मतदान प्रतिशत शामने आया तो 1 लाख 50 हजार से अधिक मतदाताओं वाली सदर सीट पर मात्र इस बार मात्र 41.82 प्रतिशत ही मतदान हुआ जबकि 2017 निकाय चुनावों में यहां पर 48 प्रतिशत मतदान हुआ था वहीं बिसवां में इस बार मात्र 54.07 प्रतिशत मतदान हुआ जबकि 2017 चुनाव में 57.53 प्रतिशत था इसी तरह जिले की हॉट सीट कही जाने वाली मिश्रिख–नैमिषारण्य सीट पर खुद सीएम द्वारा चुनाव प्रचार किये जाने के बावजूद यहां 68.96 प्रतिशत ही वोट पड़े जबकि यहां वर्ष 2017 के निकाय चुनाव में 70.5 प्रतिशत वोटिंग हुई थी।

संक्षिप्त खबरे

पिकअप की टक्कर से दादी की मौत, पोती हुई घायल

हरदोई। बुजुर्ग अपने छोटे बेटे के साथ उसकी बाइक से पोती को साथ ले कर मेडिकल कालेज दवा लेने आ रही थी। इसी बीच सर्कुलर रोड कन्हई पुरवा के पास उसे पिकअप ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक चला रहा युवक और दादी–पोती जख्मी हो गई। आनन–फानन में उन्हें मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। जहां दादी की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। बताया गया है कि कोतवाली शहर के भदैचा गांव निवासी राजीव तिवारी की 50 वर्षीय पत्नी मंजू तिवारी सोमवार को अपने छोटे बेटे अंकुर तिवारी के साथ उसकी बाइक से दवा लेने मेडिकल कालेज आ रही थी। साथ में मंजू की 7 वर्षीय पोती श्रेया तिवारी पुत्री अंकित तिवारी भी थी। अंकुर की बाइक जैसे ही शहर में बिलग्राम चुंगी से सर्कुलर रोड की तरफ बढ़ी,तभी कन्हई पुरवा के पास पिकअप ने बाइक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे मंजू तिवारी,श्रेया तिवारी और अंकुर तिवारी, तीनों जखघ्मी हो गए। आनन–फानन में सभी को मेडिकल कालेज ले जाया गया। जहां मंजू की इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। कोतवाली शहर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया है। साथ ही हादसे की जांच शुरू कर दी है।

लाचार बंदर को आवारा कुत्तों ने घेर लिया और नोच–नोच कर मार डाला

शाहाबाद ,हरदोई। मोहल्ला दिलेरगंज में बीमारी की वजह से लाचार एक बंदर को आवारा कुत्तों ने घेर लिया और नोच–नोच कर मार डाला। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। शाहाबाद कोतवाली के मोहल्ला दिलेरगंज में ज्ञानी होटल के सामने वाली गली में एक बीमार एवं लाचार बंदर को तीन आवारा कुत्तों ने घेर लिया और नोच–नोच कर मार डाला। बंदर काफी देर तक पड़ा रहा। व्यापार मंडल के महामंत्री संजू बागा ने जब पालिका प्रशासन को सूचना दी तब पालिका प्रशासन ने बंदर के शव को गली से उठाया। कुत्तों द्वारा बंदर के ऊपर किए गए हमले का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। सीसीटीवी फुटेज में आवारा कुत्ते बंदर पर बुरी तरह से हमला कर रहे हैं और उसे नोच रहे हैं। बंदर अपना बचाव करता रहा। आखिरकार तीन कुत्तों से अपने को नहीं बचा सका और उसने दम तोड़ दिया। हमले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

ट्रेन से गिरकर महिला की मौत,शव की हुई शिनाख्त

शाहाबाद, हरदोई। कोतवाली क्षेत्र के दनियापुर विक्कू रेलवे फाटक के पास ट्रेन से गिरकर एक महिला की मौत हो गई। उसका क्षत–विक्षत शव ट्रेन की पटरी पर पाया गया। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। महिला के शव की शिनाख्त हो गई है। शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के आंझी रेलवे स्टेशन से कुछ ही दूर स्थित दनियापुर विक्कू रेलवे फाटक के निकट त्रिवेणी एक्सप्रेस से एक महिला नीचे गिर गई और उसकी मौत हो गई। तत्काल कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पाकर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। मृतका की पहचान आशारानी 35 वर्ष पत्नी रमेश कुमार निवासी रायबरेली के रूप में हुई। महिला दिल्ली से अपने घर रायबरेली वापस जा रही थी। पैर फिसल जाने के कारण महिला ट्रेन से नीचे गिर गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है

मैजिक शो देख रोमांचित हो उठे बच्चें

लालगंज,रायबरेली। एसजेएस पब्लिक स्कूल में मैजिक शो का आयोजन हुआ। मैजिक शो में जादूगर ने ज्ञानवर्धक और जादुई करतब दिखाकर छात्र–छात्राओं का भरपूर मनोरंजन किया। इस रोमांचक खेल में छात्र–छात्राओं ने भी मंच के माध्यम से जादू की गतिविधियों में हिस्सा लिया। इस दौरान जादूगर ने मंचीय कार्यक्रम के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को भी समझाने का प्रयास किया। जादूगर का प्रयास रहा कि विभिन्न गतिविधियों से बच्चों को सामाजिक दर्शन से अवगत कराया जाये। इस अवसर पर प्रसिद्ध जादूगर मिस्टर राज ने एक से बढ़कर एक अनेक जादू दिखाए जिसमें रुमाल से छड़ी बनाना, कागज को जलाकर कबूतर बनाना, रुमाल से पिंजरा बनाना, छड़ी से अंब्रेला (छाता) बनाना, पुस्तक से कबूतर बनाना, डॉट पेन से रिबन तैयार करना, रंग परिवर्तित करना, बॉडी लोड, कोका कोला बोतल से फ्लावर, बुक से पिंजड़ा, कागज को जलाकर नोट तैयार करना आदि अनेकों मनमोहक जादू कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के बच्चों को दिखाये गये। कार्यक्रम देखते समय बच्चों में एक अनोखा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध तंत्र की ओर से सह–प्रबंधिका डॉक्टर अनुश्री सिंह व प्रधानाचार्या श्रीमती अंजू सिंह ने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ खेलकूद ,नैतिक संस्कार ,राष्ट्रीय परिदृश्य सहित अन्य गतिविधियों की भी जानकारी होनी चाहिए। एस जे एस विद्यालय अपनी शिक्षा पद्धति के अनुरूप बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न तरह के कार्यक्रम आयोजित करता रहता है। उसी परिप्रेक्ष्य में एस जे एस मंच पर जादूगरी के कार्यक्रम आयोजित किए गये जिससे बच्चों को मनोरंजन के साथ–साथ ज्ञानवर्धक सामग्री देखने का अवसर प्राप्त हुआ। विद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी संदीप श्रीवास्तव के साथ–साथ विद्यालय के अध्यापक–अध्यापिकाएं व छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

मोहनलालगंज की जमीनों की फाइल गायब

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज सरकारी जमीनों का रिकार्ड गायब हो गए हैं। जिला अधिकारी कार्यालय में इन जमीनों रिकार्ड नहीं मिल रहा है। जानकारी की अनुसार डीएम ऑफिस के रिकार्ड रूम के फाइल से गाटा संख्या 22, 25, 26 का पन्ना गायब है। इलाके के गौरा ग्राम सभा गाटा संख्या में सैकड़ों बीघा चारागाह की जमीन है जिसका रिकार्ड नहीं मिल रहा है। डीएम कार्यालय के रिकार्ड रूम पर भू माफियाओं का जाल फैला है। सरकारी दस्तावेज से भूमाफिया कैसे खेल कर रहे है।

दवाओं के अपडेट के लिए हर मंडल में होगा मंडलीय सम्मेलन: सुनील यादव

फार्मासिस्टों को रिसर्च सेक्टर में करेंगे मजबूत,देश की फार्मेसी को बनायेंगे विश्वगुरु

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। यूथ फार्मासिस्ट फेडरेशन ने फार्मासिस्टों को दवाओं की नई–नई जानकारियों से अपडेट करने के लिए हर मंडल स्तर पर सम्मेलन करने की तैयारियां शुरू कर दी है। जिसमें वैज्ञानिक सेमिनार के साथ मंडलीय सम्मेलनों में फार्मेसिस्ट फेडरेशन के सभी विंग के लोग उपस्थित रहेंगे। इसमें विशेष तौर पर युवा फार्मेसिस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। यह निर्णय अयोध्या मंडल के मंडलीय सम्मेलन के दौरान लिया गया। सोमवार को सम्मेलन को संबोधित करते हुए फार्मासिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि फार्मासिस्ट अपने कर्तव्य तो करेगा ही और अधिकारों के लिए भी लगातार संघर्ष करेगा जो फार्मेसिस्ट अपना मेडिकल स्टोर चला रहे हैं या विभिन्न शिक्षण संस्थानों में प्रोफेसर के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, या अन्य जगहों पर सेवारत हैं, उन सभी की समस्याओं के लिए फेडरेशन

संघर्ष करेगा। उन्होंने कहा कि फार्मेसिस्टों द्वारा जनता को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए नियमित रूप से जानकारियां देनी चाहिए। सभी फार्मेसिस्टों को उच्च शिक्षा ग्रहण कर रिसर्च सेक्टर को और मजबूत करने के साथ देश की फामेर्सी विश्वगुरु के रूप में स्थापित हो सके। यूथ फार्मेसिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष आदेश ने बताया कि अयोध्या मंडल की बैठक में सांगठनिक मजबूती के लिए व्यापक विचार विमर्श करते हुए 2025 में फामेर्सी का लक्ष्य तय किया गया। वहीं उपाध्यक्ष राजेश सिंह ने उपस्थित सैकड़ों युवा फार्मेसिस्टो को फार्मेसिस्ट के महत्व, सम्मान को बढ़ाने, रोजगार को विकसित करने, उच्च शिक्षा ग्रहण करने पर जोर देने, रिसर्च,फार्माकोविजिलेंस दवा उद्योग , मार्केटिंग में अनिवार्यता के लिए कार्य करने का संकल्प दिलाया।

रोडवेज बसों की ई टिकटिंग व्यवस्था हुई बहाल

लखनऊ। प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री दयाशंकर सिंह ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि गत 25 अप्रैल की प्रातः से बाधित,परिवहन निगम की इलेक्ट्रॉनिक बस टिकटिंग प्रणाली को 08 मई 2023 की रात्रि 9.30 बजे से पुनरू बहाल कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि यात्रियों को ऑनलाइन बुकिंग की पूर्ववत सुविधा के साथ नये सिरे से नये सर्वर स्थापित किया गया है। परिवहन मंत्री ने बताया कि नये सर्वर समस्त टिकटिंग अप्लीकेशन्स इत्यादि के वृहद्ध परीक्षण उपरान्त निगम द्वारा अब से इलेक्ट्रानिक बस टिकटिंग प्रणाली को पुनरू बहाल किये जाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि परिवहन निगम द्वारा साइबर सुरक्षा मानकों के अन्तर्गत अभूतपूर्व पहल करते हुए बेस्ट ऑफ दी इन्डस्ट्री मानकों अनुसार अनुपालन सुनिश्चित कराया गया है।

चुनावी रंजिश में सभासद प्रत्याशी पर हुआ जानलेवा हमला,रिपोर्ट दर्ज करने की लगाई गुहार

शाहाबाद, हरदोई। प्रार्थी रामचन्द्र गुप्ता (गुड्डू) पुत्र टीकाराम मोहल्ला कटरा थाना व कोतवाली शाहाबाद जिला हरदोई का निवासी ने प्रतिद्वंदी सभासद प्रत्याशी पर जानलेवा हमला किए जाने का आरोप लगाया है।

दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि पुलिस चौकी सरदारगंज के संनिकट कुए के पास खड़ा था। तभी मेरे मोहल्ले के मेरे प्रतिद्वंदी सभासद प्रत्याशी सचिन राठौर पुत्र बालकराम राठौर के समर्थक पिकअप डाला चालक शुभम श्रीवास्तव पुत्र जितेन्द्र प्रसाद उर्फ बब्बन, शिवम राठौर पुत्र दिनेश राठौर, अंशू राठौर पुत्र मुकेश राठौर ने प्रार्थी को जान से मारने की नीयत से एक राय होकर अपराधिक साजिश रची और फिर पिकअप डाला चालक शुभम श्रीवास्तव से समय करीब 9रू00 रात्रि में प्रार्थी के ऊपर पिकअप डाला चढ़वा दिया। मौके पर प्रार्थी ने पिकअप डाले से बचने की काफी कोशिश की किन्तु इसके बावजूद प्रार्थी पिकअप डाले की जोरदार टक्कर से दूर जा गिरा, जिससे प्रार्थी के शरीर में गम्भीर चोटे आयी है। पिकअप डाले से प्रार्थी को कुचलने की कोशिश के साथ ही भागते वक्त शुभम श्रीवास्तव समेत पिकअप डाला में आगे पीछे बैठे उपरोक्त विपक्षियों समेत दो अज्ञात व्यक्तियों ने एक स्वर से चिल्लाकर प्रार्थी को पुनः जान से मारने की धमकी दी। उपरोक्त विपक्षी प्रार्थी को चुनाव प्रचार के दौरान पहले भी जान से मारने की धमकी दी थी, मौके से प्रार्थी को मोहल्ले के लोगों ने उठाकर सामु० स्वास्थ्य केन्द्र शाहाबाद पहुँचाया जहां प्राथमिक उपचार के उपरांत प्रार्थी को जिला अस्पताल के लिए बीती रात रेफर किया गया था, जहाँ से स्वास्थ्य सुखी घाव के अभाव में प्रार्थी शाहाबाद के निजी क्लीनिक में इलाज के दौरान थाने पर तहरीर देने आया है।

प्रेमिका की शादी कहीं और तय होने पर प्रेमी ने मचाया उत्पात

रायबरेली। प्रेमिका की शादी तय होने के बाद बौखलाए प्रेमी ने उसके घर पर पहुंचकर जमकर तांडव किया है। आरोप है कि उसने अपनी प्रेमिका के घर पर फायरिंग भी की है और प्रेमिका के पिता को जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज करके जांच शुरू की है।

मामला कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का है। गांव की रहने वाली एक लड़की का क्षेत्र के गांव सिद्धा का पुरवा निवासी अजय सिंह से प्रेम संबंध चल रहा था। इधर लड़की के परिजनों ने अपनी बेटी की शादी तय कर दी। 10 मई को उसकी बारात आने वाली है। प्रियंका की शादी तय होने के बाद उसका प्रेमी आपे से बाहर हो गया। सोमवार की सुबह अपने साथियों के साथ वह लड़की के घर पर पहुंच गया और वहां पर जमकर तांडव किया है।

कुमारगंज में जनसभा को समबोधित करते डिप्टी सीएम बृजेश पाठक

मिल्कीपुर अयोध्या। यूपी के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने मिल्कीपुर में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में समर्थन जुटाने के लिए जनसभा को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि योगी के नेतृत्व में प्रदेश आगे बढ़ रहा है। प्रदेश की पहचान बदली है। अयोध्या जिले के कुमारगंज में भाजपा नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी चंद्रबली सिंह के समर्थन में लोगों में जोश भरने आए डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश या केंद्र की सरकार हो पानी, बिजली, सड़क व अस्पताल के मुद्दों पर ही पार्टी चुनाव लड़ती है। कुमारगंज में हजारों लोगों को पक्का मकान मिल रहा है। वर्ष 2024 तक हर घर में टोटी से पानी जाएगा। 2017 से पहले बिजली एक हफ्ता दिन तथा एक हफ्ता रात में आती थी। अब बिजली सबको मिल रही है, 90 प्रतिशत परिषदीय स्कूल प्राइवेट से बेहतर बनकर तैयार हैं, छात्राओं को किताब ड्रेस दिया जा रहा है। सपा सरकार में स्कूलों में भूसे भरे जाते थे। हमारी सरकार ने ग्राम सचिवालय को इस तरह बनाया है जैसे डीएम एसडीएम के कार्यालय बने हुए हैं। जाति, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, मृतक प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं है। सब गांव में ही ग्राम सचिवालय से बन कर जनता को आसानी से मिल जा रहा है। कांग्रेस की सरकार ने रामलला के अस्तित्व को ही नकार दिया इनकी मति भ्रष्ट हो गई है हमारे लिए गर्व की बात है हम अयोध्या में पैदा हुए सपा सरकार में गुंडा मवाली गाड़ी भरकर असलहों के साथ घूम रहे थे। समाजवादी पार्टी का नारा है खाली प्लाट हमारा है इस पार्टी में संसाधनों को लूटा जनता के पैसे से नाच होता था मुंबई के कलाकारों को बुलाकर सैफई महोत्सव मनाया जाता हमारी सरकार ने दीपावली पर अयोध्या में दीपोत्सव किया, 25 हजार से अधिक मुकदमे एंटी रोमियो के तहत दर्ज है सरकार जीरो ट्रारलेंस की नीती पर काम कर रही है।

एटीएम चोरी की घटना में शामिल एक और गिरफ्तार

एटीएम बाबा अभी भी पुलिस की पकड़ के दूर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। सर्विलांस टीम दक्षिणी व थाना सुशान्त गोल्फ सिटी की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा एटीएम चोरी की घटना में शामिल एक शातिर वांछित अभियुक्त गिरफ्तार किया है। साथ ही उसके पास से नगदी दो लाख रुपये बरामद भी बरामद किया। इस घटना में शामिल चार अभियुक्तों को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर नौ लाख रुपये बरामद करने के बाद जेल भेज चुकी है। आज जिस अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है उसका नाम विजय पाण्डेय उर्फ सर्वेश पुत्र अर्जुन पाण्डेय निवासी भरवलिया पाण्डेय थाना मैहदावल जनपद संतकबीरनगर है। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी विनीत जायसवाल ने प्रेसवार्ता करते हुए बताया कि तीन व चार अप्रैल की रात को विजय पाण्डेय द्वारा अपने साथियो के साथ मिलकर खुर्दही बाजार सुल्तानपुर रोड लखनऊ स्थित रइक एटीएम को क्षतिग्रस्त करके एटीएम में रखे रुपयों की चोरी

कर ली गयी थी। जिसके सम्बन्ध में वादी मुकदमा मो. सलमान अधिवक्ता उच्च न्यायालय लिगल एडवाइजर हिंताची पेमेन्ट सर्विसेज प्रालि. द्वारा दी गयी लिखित तहरीर के आधार पर पांच अप्रैल को थाना स्थानीय पर चोरी का मुकदमा पंजीकृत किया गया था। पुलिस टीम द्वारा रइक एटीएम को काटकर रूपया चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुये घटना में संलिप्त अभियुक्तगण नीरज मिश्रा, राज तिवारी, पंकज कुमार पाण्डेय उर्फ लीटर कुमार भास्कर ओझा को गिरफ्तार कर 9,13,000 रुपये घटना में प्रयुक्त बलेनो कार व पल्सर मोटर साइकिल आदि बरामद कर रिमाण्ड प्राप्त किया गया था। वांछित अभियुक्त विजय पाण्डेय उर्फ सर्वेश पुत्र अर्जुन पाण्डेय आज मुखबिर की सूचना पर किसान पथ अण्डरपास से आगे व इन्दिरानहर पुल से पहले सुल्तानपुर रोड से गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे से मुकदमा उपरोक्त में एटीएम काटकर चोरी किये गये रुपयों में से प्राप्त बटवारे के 2,00,000 रुपये बरामद किये गये।

पुलिस उपायुक्त दक्षिणी ने भी घटना स्थल की लिया जायजा

लखनऊ। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी विनीत कुमार जायसवाल ने बताया कि थाना गोसाईगंज के कस्बाअमेठी में हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में एक पिता द्वारा अपने छह वर्षीय बच्चे को गला कसकर मारने के उपरांत स्वयं तार का फंदा बनाकर फांसी लगाकर आत्महत्या करने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई। जिस सूचना पर तत्काल स्थानीय पुलिस एवं उच्चाधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंच कर जांच की गयी तथा फील्ड यूनिट को भी मौके पर बुलाया गया। मौके से पुलिस को सुसाइड नोट प्राप्त हुआ है जिसको कब्जे में लेकर परीक्षण किया जा रहा है। जांच से यह भी ज्ञात हुआ कि मृतक द्वारा अपनी आठ वर्षीय बच्ची का भी गला दबाकर मारने का प्रयास किया गया। बच्ची द्वारा किसी तरह से छूटकर पास में ही अपने चाचा के घर पहुंचकर शोर मचाया जिससे आसपास के लोगों को इस घटना की जानकारी हुई।

मासूम बेटे की हत्या कर पिता फांसी पर लटका

- –घटना गोसाईगंज के कस्बा अमेठी की, पुलिस को मिला सुसाइड नोट
- –पैतृक जमीन में हिस्सा न मिलने से विनोद था नाराज

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में एक दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आयी है। थाना गोसाईगंज क्षेत्र में एक पिता अपने छह वर्षीय बेटे की हत्या करने के बाद फिर आठ साल की बेटी को भी मारने का प्रयास किया लेकिन वह किसी तरह से वहां से भाग निकली। जिसकी वजह से उसकी जान बच गई। इसके बाद पिता ने खुद को फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। बेटी के चिल्लाने में गांव वाले मौके पर दौड़ पड़े और घर के अंदर देखा तो आठ साल का मासूम जमीन पर पड़ा था और युवक फांसी के फंदे से लटका मिला। यह देखकर लोगों के होश उड़ गए और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। घटना स्थल पर एक सुसाइड नोट भी मिला। जिसकी पुलिस द्वारा जांच पड़ताल की जा रही है। सुबह–सुबह हुई इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। प्रभारी निरीक्षक गोसाईंगंज दीपक पाण्डेय ने बताया कि अमेठी कस्बा के

मुंशीगंज निवासी विनोद यादव 43 प्राइवेट वाहन चलाता था। रविवार रात को खाना खाकर विनोद बेटे श्याम सुंदर (6) व बेटी साक्षी (8) के साथ सो गया। सोमवार सुबह करीब पांच उठा और सो रहे बेटे की केबिल तार से गला दबाकर हत्या कर दी। भाई की चीखें सुनकर मानवी भी जग गई और पिता को रोकने का प्रयास किया। पैतृक जमीन में हिस्सा न मिलने से विनोद नाराज था। इसका खुलासा मौके पर मिले सुसाइड नोट से हुआ। पुलिस ने बताया कि मृतक ने सुसाइड नोट मे लिखा है कि पिता के पास करीब डेढ़ बीघा जमीन है। जिसमें करीब 8 बिस्वा उसके हिस्से मे आती है लेकिन बावजूद इसके उसे जमीन नहीं दी गई। इन्हीं सब बातों को लेकर परेशान था।

घटना के बाद ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि आरोपी विनोद की पत्नी राधा ने भी एक वर्ष पूर्व आत्महत्या कर ली थी। हालांकि, उसने मौत को क्यों गले लगाया इसका जवाब किसी के पास नहीं है। महिला का शव एक वर्ष पूर्व हैदरगढ़ के पास ट्रेन के आगे कूदकर उसने जान दे दी थी। पत्नी की मौत के बाद विनोद बेटे और बेटी के साथ घर में रहता था। पिता की मौत के बाद अब बेटी अकेली रह गई है।

सुबह से गायब बालक मृत अवस्था में मिला

मछरेहटा (सीतापुर)। थाना क्षेत्र मछरेहटा की ग्राम पंचायत केसरा के एक 4 वर्षीय बालक का शव संदिग्धावस्था में गांव के किनारे एक गड्ढे में मृत पड़ा हुआ मिला। बताते चलें कि ग्राम पंचायत केसरा निवासी रसीद खान का 4 वर्षीय पुत्र हाशिम सुबह करीब 10 बजे गांव केसरा से खेलता खेलता लापता हो गया था। गांव वालों व परिजनों ने लाख प्रयास किया लेकिन पता नहीं चल सका। परिजनों ने थाना मछरेहटा में गुम सुदगी की तहरीर दी थी। देर शाम होते ही ग्रामीणों व मछरेहटा पुलिस ने परिजनों के साथ मिलकर गांव के किनारे सभी तालाब व गड्ढों को खंगाला। तभी गांव के पूरब बबलू पुत्र मुस्तफा के मकान के पूरब जेसीबी द्वारा खोदे गए गड्ढे में बच्चे की लाश पाई गई है। गड्ढे में पानी भी भरा हुआ था। ग्रामीणों व परिजनों ने बताया कि सड़क पर पानी भर जाने के कारण यह गड्ढा खोद कर मिट्टी पटाई कार्य किया गया था।

तब से यह गड्ढा खुदा ही पड़ा था और कई मकानों के जल निकासी का पानी उसमें भरता था। इतना सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। पूरा का पूरा गांव मौके पर पहुंच गया। जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष राम राघव सिंह, हेड कांस्टेबल अबू हादी खान व पूरी पुलिस टीम मौके पर पहुंची और अग्रिम कार्यवाही प्रारम्भ की। शव को सील कर शव विच्छेदन हेतु भेज दिया। इस मामले पर थानाध्यक्ष राम राघव सिंह ने बताया कि उक्त मृतक बालक को मिर्गी की बीमारी थी। मिर्गी आने के कारण बालक गड्ढे में गिर गया और वहीं उसकी मौत हो गयी। बांकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

हेपेटाइटिस बी का टीकाकरण जरुरी, बचा सकते हैं अपना लीवर : डॉ. अलोक मिश्रा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। अक्सर कहा जाता है कि हेपेटाइटिस बी एचाईवी वाइरस की तरह होता है, एक बार होने पर ठीक नहीं हो सकता है। एक तरह से हेपेटाइटिस हमारे लीवर को प्रभावित करते हैं। लोगों में पीलिया के लक्षण देखने को मिलते हैं। हेपेटाइटिस के कई प्रकार हैं जिसको हेपेटाइटिस ए से हेपेटाइटिस ई तक नाम दिया गया है। इनमें से हेपेटाइटिस बी और हेपेटाइटिस सी ज्यादा खतरनाक होता है। मशहूर गैस्ट्रोलॉजिस्ट डॉ. अलोक मिश्रा ने बताया कि हेपेटाइटिस बी और सी दोनों का इलाज है। हेपेटाइटिस बी का टीका भी उपलब्ध है जो सबको लगवाना चाहिए। कहा जाता है हेपॅटाटिस बी का टीका पहला कैंसर से बचाव का टीका है। हालाँकि डॉ अलोक मिश्रा ने बताया कि हेपॅटाटिस बी के 95 : मरीज ठीक हो जाते हैं। 5 : मरीजों में कम्प्लेकशन आता है। हेपॅटाटिस सी लीवर का कैंसर होता है टीका तो नहीं है लेकिन इलाज है। डॉ मिश्रा ने बताया कि ब्लड के माध्यम से हेपॅटाटिस के वाइरस शरीर में जाते हैं वो किसी माध्यम से हो, हेपॅटाटिस बी के लक्षण उलटी, दस्त, आँखों का पीला होने, पीलिया से पता तो चल जाते हैं लेकिन बहुत केसों में ऐसा होता है जहाँ कोई लक्षण कई कई सालों यहाँ तक कि दशकों तक नहीं दिखाई देते हैं। शरीर में वाइरस रहते हैं और लीवर को नुक्सान करते रहते हैं। इसलिए हेपॅटाटिस बी की जाँच करनी चाहिए।

डॉ अलोक मिश्रा ने यह भी बताया कि अगर परिवार में किसी को हेपॅटाटिस बी है तो पूरे परिवार को जाँच कराकर टीकाकरण जरूर कराना चाहिए। वे निगेटिव हों तो भी उनको टीकाकरण जरूर कराना चाहिए। हेपॅटाटिस लाइलाज बीमारी नहीं है लेकिन वाइरस को न्यूट्रलाइज करने में लम्बा इलाज चलता है। डॉ मिश्रा के अनुसार तीन टीके लगते हैं जो एक बार लगने के बाद एक महीने बाद दूसरा और छह महीने पर तीसरा। हेपॅटाटिस बी और सी के कोई बाहरी लक्षण दिखाई नहीं देते हैं लेकिन अगर मरीज उलटी दस्त या उसकी त्वचा पीली पड़ने की शिकायत करता है तो हेपॅटाटिस की जाँच जरूर कराएं। एक जनरेशन से दूसरे जनरेशन में यह वाइरस नहीं फैलता है जब तक ब्लड का संपर्क न हो। बाकी हाथ मिलाने, गले मिलने, साथ खाना खाने आदि से हेपॅटाटिस बी और सी नहीं होता है। अन्य हेपॅटाटिस के प्रकार खान पान की अनियमित्ता से हो सकते हैं। डॉ अलोक मिश्रा ने एक बात का पुरजोर खंडन किया कि हेपेटाइटिस बी या सी होने पर इलाज नहीं है। उन्होंने कहा कि इलाज है और बहुत क्रोनिक स्टेट पर न पहुंचे इसके लिए लोगों को डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। आज बहुत मरीज तब आते हैं जब लास्ट स्टेज पर होते हैं तो डॉक्टर के हाथ सीमित हो जाते हैं। टीकाकरण जरूर कराएं, बच्चियों को सार्विक कैंसर का भी टीका जरूर लगवाएं।

अरबाज और विजय चौधरी के एनकाउंटर की जांच के लिए पहुंचा न्यायिक आयोग

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड के बाद सभी पुलिस मुठभेड़ की जांच की जा रही है। जांच के लिए न्यायिक आयोग गठित किया गया है। दो सदस्यीय न्यायिक आयोग की टीम आज प्रयागराज की कौंधियारा और धूमनगंज में हुए दो मुठभेड़ की जांच के लिए आ गई है। प्रयागराज में हुए दो एनकाउंटर में असद के ड्राइवर अरबाज और शूटर विजय चौधरी उर्फ उस्मान के मारे जाने की जांच के लिए न्यायिक आयोग गठित किया गया है। दो सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग टीम में हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज राजीव लोचन महरोत्रा और रिटायर डीजी विजय कुमार गुप्ता शामिल हैं। न्यायिक आयोग की टीम पहले कौंधियारा में मुठभेड़ स्थल पर पहुंची। छह मार्च को कौंधियारा क्षेत्र में शूटर विजय चौधरी उर्फ उस्मान एनकाउंटर में मारा गया था। बता दें विजय चौधरी उर्फ उस्मान ने ही उमेश पाल पर पहली गोली चलाई थी।

न्यायिक आयोग की टीम ने मुठभेड़ स्थल पर घटनाक्रम के सीन की जानकारी ली। कौंधियारा के बाद न्यायिक आयोग की टीम धूमनगंज के नेहरू पार्क जंगल में भी जाएगी।

नरकंकाल के सिर में मिली गोली, जमेठी के गायब शिक्षामित्र के होने की आशंका

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रतापगढ़ । कुंडा में दो दिन पूर्व मानव नरकंकाल मिलने से जिले के प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच हुआ है। कुंडा कस्बा रजनपुर में बाईपास कूड़ाघर के करीब बोरे में मिली नरमुंड में गोली फंसी मिली है। पुलिस के मुताबिक हत्यारों ने गोली मारकर हत्या करने के बाद शव को बोरे में भरकर फेंक दिया था। पुलिस अब बरामद नरमुंड व गायब जमेठी कस्बे के शिक्षामित्र के परिजनों को बुलाकर सैंपल लेकर डीएनए टेस्ट के लिए भेजने की तैयारी में लग गई है। कुंडा कोतवाली के रजनपुर कस्बे में शुक्रवार की रात कूड़ाघर के करीब बोरे को कुत्ते नोच रहे थे। बोरे से निकले नरमुंड पर नजर पड़ने के बाद लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर जमेठी कसबे से गायब शिक्षामित्र पवन सिंह उर्फ राजा के परिजन भी पहुंचे। कपड़ों से नरमुंड की पहचान राजा के रूप में करने लगे। जिसके बाद पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया। हालांकि शनिवार को परिवार के लोगों की आशंका कम हो गई। जबकि कस्बे के

लोगों नरमुंड राजा का ही बता रहे हैं। रविवार को पोस्टमार्टम के दौरन नरमुंड पिस्टल की गोली फंसी मिली। जिसके बाद पुलिस महकमे में सरगर्मी तेज हो गयी। जल्द ही कुंडा पुलिस शिक्षामित्र राजा के परिवार के लोगों का डीएनए सैंपल लेकर जांच के लिए भेजेगी। कुंडा इलाके में मिले नरमुंड की सूचना पर गायब चल रहे शिक्षामित्र के परिजन भी मौके पर पहुंचे। पुलिस के सामने पत्नी ने नरमुंड के बगल में मिले लोवर व टी–शर्ट को देखकर शिक्षामित्र का कपड़ा होने की पुष्टि की। इससे आशंका जताई जा रही है कि यहाँ मिला नरमुंड शिक्षामित्र का ही है। कुंडा में जो नरमुंड कूड़े के ढेर में मिला है, उसकी हालत देखकर यही लगता है हत्यारों ने कई दिन पहले उसे गोली मार दी थी। उसके बाद शव को अज्ञात स्थान पर छिपाकर रखा गया। जब नरमुंड कंकाल में तब्दील होने लगा तो हत्यारों ने उसे कूड़े के ढेर में फेंक दिया।

संक्षिप्त खबरे

अतीक की पत्नी शाइस्ता माफिया घोषित

प्रयागराज। मारे जा चुके माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन को भी माफिया अपराधी घोषित कर दिया गया है। उसके लिए लिखा–पढ़ी में भी ऐसे शब्द इस्तेमाल किए जा रहे हैं। बीती दो मई को धूमनगंज थाने में अतिन जफर के खिलाफ लिखी गई एफआईआर में शाइस्ता परवीन के लिए माफिया अपराधी शब्द लिखा गया है। इस पर डीसीपी नगर दीपक ने कहा कि अभी माफिया नहीं घोषित किया गया है। उमेश पाल और दो सरकारी गनर की हत्या में शाइस्ता 50 हजार की इनामी अभियुक्त है। उसकी तलाश चल रही है। शाइस्ता पर उमेश पाल हत्याकांड में साजिश रचने और शूटरों को पनाह देने के आरोप लगे और वह फरार हो गई। पुलिस ने शाइस्ता को गिरफ्तार करने के लिए 50 हजार का इनाम घोषित किया है। उमेश पाल हत्याकांड में माफिया के बेटे असद समेत उसके तमाम गुर्गों का नाम सामने आया। अतीक की बेगम शाइस्ता परवीन पर हत्याकांड की साजिश रचने का आरोप लगा। 13 अप्रैल को यूपी एसटीएफ ने असद और शूटर गुलाम को झांसी में मार गिराया। अगले दो दिन बाद 15 अप्रैल को प्रयागराज में कॉल्विन अस्पताल के पास तीन शूटरों ने पुलिस की कस्टडी में रहे माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

शिवांग, किशन, अक्षय और अरमान जीते

प्रयागराज। ईगल आई शूटिंग अकादमी द्वारा आयोजित प्रयागराज ओपन डिस्ट्रिक्ट निशानेबाजी चौंपियनशिप में दूसरे दिन प्रयागराज के शिवांग राय, किशन, देवेंद्र, अक्षय प्रताप, अरमान खान, प्रशांत और महेंद्र ने जीत दर्ज की। बालसन चौराहा स्थित अकादमी मे चल रही चौंपियनशिप में प्रयागराज के खिलाड़ियों के अलावा लखनऊ के सत्यम पांडेय, अरनव तिवारी, आशीष पटेल ने अपने–अपने वर्ग में जीत हासिल की। अकादमी के कोच विजय चंदेल व फरीद सिद्दीकी ने बताया कि प्रतियोगिता 10 से 50 साल तक के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया और अपना सराहनीय प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का समापन मंगलवार को होगा।

हाईकोर्ट में राष्ट्रीय लोक अदालत 21 मई को

प्रयागराज। सचिव, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति, इलाहाबाद ने बताया है कि 21मई दिन रविवार को उच्च न्यायालय इलाहाबाद में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें उच्च न्यायालय इलाहाबाद में लम्बित मोटर दुर्घटना प्रतिकर से सम्बंधित अपीलें, पारिवारिक मामले, द्वितीय अपील (सेकेण्ड अपील) एवं ऐसे वाद जो उच्च न्यायालय इलाहाबाद के समक्ष विचाराधीन है तथा सुलह–समझौते के आधार पर निस्तारित किये जा सकते है, को नेशनल लोक अदालत में सूचीबद्ध कर निस्तारित किया जायेगा। विद्वान अधिवक्तागण व वादकारीगण से अपेक्षा की जाती है कि अपने उक्त प्रकार के मामलों को नेशनल लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित करवाने हेतु अपना प्रार्थना पत्र सचिव, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति, उच्च न्यायालय इलाहाबाद को सम्बोधित कर, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के मेल आई0डी0 पर अथवा उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के कार्यालय में प्रेषित,प्रस्तुत करें। कृपया अपने मुकदमें को समझौते के आधार पर त्वरित निस्तारण हेतु नेशनल लोक अदालत का लाभ उठायें।

थाना करैली पुलिस द्वारा 01 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना करैली पुलिस टीम द्वारा मा0 न्यायालय स्पेशल जज पाक्सो एक्ट कोर्ट 02 इलाहाबाद द्वारा जारी छठॅ सम्बन्धित एसटी नं0–83/20 अ0सं0 – 09/20 धारा 354/376/506/323 भादवि व 5/6 पाक्सो एक्ट थाना करैली से सम्बन्धित वारण्टी अफसार अहमद पुत्र एजाज अहमद निवासी एमपी 6 मुन्ना मस्जिद निकट जफीर की पुलिया थाना करैली प्रयागराज को आज दिनांक 08.05.2023 को गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण –अफसार अहमद पुत्र एजाज अहमद निवासी एमपी 6 मुन्ना मस्जिद निकट जफीर की पुलिया थाना करैली प्रयागराज, उम्र करीब 48 वर्ष सम्बन्धित अभियोग का विवरण– एसटी नं0– 83/20 अ0सं0 – 09/20 धारा 354/376/506/323 भादवि व 5/6 पाक्सो एक्ट

पुलिस टीम का विवरण–

1.उ0नि0 रवि कुमार कटियार थाना करैली प्रयागराज।

2.का0 करन कुमार थाना करैली प्रयागराज।

3. म0का0 मेनका चौरसिया थाना करैली प्रयागराज।

थाना फूलपुर पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना फूलपुर पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर दिनांक 07.05.23 को ग्राम कोड़ापुर स्थित पोखरी के समीप अभियुक्त दीपचन्द भारतीया पुत्र राम अभिलाष भारतीया निवासी ग्राम कोड़ापुर थाना फूलपुर जनपद प्रयागराज को अवैध कच्ची अपमिश्रित शराब निर्मित हुये गिरफ्तार कर 20 लीटर अवैध कच्ची शराब, 1 किलो 500 ग्राम यूरिया व 300 ग्राम नौसादर बरामद किया गया तथा मौके से 70 किलोग्राम लहन नष्ट किया गया । उक्त गिरफ्तारी,बरामदगी के सम्बन्ध में थाना फूलपुर में मु0अ0सं0–160/2023 धारा 272 भा0द0सं0 व 60/60(2) आब0अधि0 पंजीकृत किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण–दीपचन्द भारतीया पुत्र राम अभिलाष भारतीया निवासी ग्राम कोड़ापुर थाना फूलपुर जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 35 वर्ष बरामदगी का विवरण–20 लीटर अवैध कच्ची शराब, 1 किलो 500 ग्राम यूरिया व 300 ग्राम नौसादर बरामद पंजीकृत अभियोग,आपराधिक इतिहास–1.मु0अ0सं0 160/2023 धारा 272 भा0द0सं0 व 60/60(2) आब0अधि0, थाना फूलपुर, प्रयागराज2.मु0अ0सं0 80/2023 धारा 272 भा0द0सं0 व 60260(2) आब0अधि0, थाना फूलपुर, प्रयागराज ।

निष्पक्ष मतगणना को लेकर सपा ने सौंपा ज्ञापन

महानगर क्षेत्र के थानों की पुलिस को भी मतगणना में ड्यूटी नहीं लगाने की मांग

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के नेताओं, पदाधिकारियों ने आज जिला निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन देकर मतगणना को निष्पक्ष एवं पारदर्शी कराये जाने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया कि मतदान के बाद अखबारों एवं सोशल मीडिया में जिस तरह से 100:मतदान की खबर छपी जबकि सच्चाई अलग थीं उससे भ्रामक प्रचार हुआ, इसके चलते लोंगो में मतगणना को लेकर अभी से आशंका व्याप्त है। उदाहरण दिया कि वार्ड संख्या 37 में बूथ संख्या 409पर कुल मतदाता 1091 हैं जिनमे शत प्रतिशत की खबर छप गई जबकि महज 531मत ही पड़े हैं। सपा जनों ने मतदान की संख्या एवं सही स्थिति निर्वाचन कार्यालय से प्रमाणित प्रति की भी मांग की है। इसके आलावा ज्ञापन में कहा गया कि मतगणना के दौरान मान्यता प्राप्त दलों के एजेंटों को उचित जगह बैठाया जाय। सपा ने स्थानीय महानगर में आने वाले थानों की पुलिस को मतगणना के दौरान ड्यूटी में न लगाए जाने की भी मांग की है। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, जिलाध्यक्ष गंगापार अनिल यादव, रविन्द्र यादव एडवोकेट, मुख्य निर्वाचन अभिकर्ता रमाकांत शर्मा, मीडिया प्रभारी दान बहादुर मधुर, पूर्व पार्षद नितिन यादव,लल्लन सिंह पटेल एडवोकेट, योगेश पाल एडवोकेट, बृजेश यादव एडवोकेट, लालजी यादव एडवोकेट, धीरेन्द्र यादव एडवोकेट,, आर. एन. यादव, सचिन श्रीवास्तव,राम मनी यादव, नरेन्द्र यादव, दया शंकर पासी भोला नाथ यादव, कन्हाई लाल, मानसिंह आदि मौजूद रहे।

मकान किराए पर लेने के लिए दूसरे के नाम कराया फर्जी अग्रीमेंट, नहीं दे रहे किराया, रिपोर्ट

प्रतापगढ़ । कुंडा में कमरा किराए पर लेकर कारोबार करने वाले लोगों ने धोखाधड़ी कर दूसरे के नाम से एग्रीमेन्ट करा लिया और किराया भी नहीं दे रहे हैं। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने फर्जी एग्रीमेन्ट करने वाले समेत 17 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। कुंडा के रानी माहेश्वरीनगर मुहल्ला निवासी सुभाष केसरवानी पुत्र विश्वनाथ ने पुलिस को तहरीर दी है। आरोप है कि वह सुनील कुमार पुत्र मकदूम निवासी खैराती रोड के साथ खैरात अली के पांच लड़कों से जमीन का बैनामा लिया, जिसमें 16 किराएदार हैं। सुभाष ने किराएदारों से 17 सितम्बर 2021 से 8 माह के लिए किराए पर कमरे देने का अनुबन्ध पत्र (एग्रीमेन्ट) किया। उसके बाद रईस अहमद के नाम से दूसरा एग्रीमेन्ट कर लोगों ने किराया देना बंद कर दिया।

प्रदेशीय ओपन कराटे प्रतियोगिता में प्रयागराज उपविजेता

प्रयागराज। वर्ड मोर्डन कराटे फेडरेशन उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में आयोजित प्रदेशीय ओपन कराटे प्रतियोगिता में प्रयागराज टीम उपविजेता रही। लखनऊ के चौक स्टेडियम में आयोजित फेडरेशन कप कराटे चौंपियनशिप 2023 में प्रयागराज की सबजूनियर कैडेट, जूनियर व सीनियर में कुल 46 मैडल हासिल किए है। इनमें सूर्यान्शी राय, तेजस्वी सोनी, शिद्धि मिश्रा, सौम्या कुशवाहा, ईप्सा गुप्ता, शिवांशी कुशवाहा, अंजलि पांडेय, रस्मी मिश्रा, रोहिताश्व द्विवेदी अभिनय यादव, अनमोल मिश्रा, अंस कुमार, वंसु मौर्य, राजीव त्रिपाठी, आर्यमान दास, शिवांश यादव, नरेंद्र श्रीवास्तव, रमन वर्मा ने स्वर्ण पदक प्राप्त व समृद्धि गुप्ता, अनुष्का केसरवानी, साम्भवी गुप्ता, संस्कृति कुशवाहा, मेद्या सिंह,अंस कुमार, सहज यादव, देवांश त्रिपाठी, निखिल कुशवाहा, रणवीर मदान ने रजत पदक मिला और आद्या श्री दास, आराध्या केसरवानी, मृणाली श्रीवास्तव, कृति सिंह, सुबोध मौर्य, प्रांजल शुक्ला, आर्यन मिश्र,श्रेयस सिंह, अनिमेष तिवारी, राज, प्रियांशू भारतीय, जेनिस ने कांस्य पदक जीता। प्रयागराज टीम की अनुवाई में राजेश कुशवाहा अध्यक्ष और रेफरी की भूमिका में ईश्वर शरण पी जी कॉलेज व सेंट पीटर्स अकादमी के कोच आर डी यादव, उमा सेन सुभम मौर्य व मनीष कुमार सोनकर (सचिव प्रयागराज कराटे असोसिएशन) कोच की भूमिका रितेश वर्मा और भारतेंदु श्रीवास्तव, सहायक कोच विकास पुष्पाकर व सत्य नारायण ने किया।

विधि प्रकोष्ठ ने जताई खुशी,दी बधाई

प्रयागराज। भाजपा विधि प्रकोष्ठ महानगर की एक बैठक में विधि प्रकोष्ठ नि.क्षेत्रीय संयोजक देवेन्द्र नाथ मिश्र को यूपी बार काउंसिल मे को –आप्टेड सदस्य चुने जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। यूपी बार काउंसिल अध्यक्ष देवेन्द्र मिश्र नगरहा ने कहा कि श्री मिश्र के न्याय और सत्यनिष्ठा को देखते हुए ये जिम्मेदारी दी गई है जो कि अधिवक्ताओं के हित मे पूरे मनोयोग से कार्य करेंगे। विधि प्रकोष्ठ महानगर संयोजक जयवर्धन त्रिपाठी ने कहा कि पूर्व के संघर्षों के आधार पर निश्चित रूप से मिश्र जी अधिवक्ताओ के अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे मै उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ। प्रसन्नता व्यक्त करने वालों मे डा. संतोष जैन, सुभाष बाजपेई, सत्येन्द्र मिश्र, पंकज पाण्डेय, नीतीश कुमार सोनी, रितेश राय, रवीन्द्र दुबे, अविनाश शर्मा, विजय कुमार, बीनू उपाध्याय, प्रदीप सिंह, आईपी श्रीवास्तव नवनीत त्रिपाठी आदि रहे।

थाना कीडगंज पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना कीडगंज पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर दिनांक 08.05.2023 को थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 95/2023 धारा 147/323/504 भादवि से सम्बंधित अभियुक्त मनीष भारतीया को बांगड़ चौराहे के पास परेड ग्राउण्ड से गिरफ्तार कर कब्जे से 01 अदद अवैध तमंचा .315 बोर व 04 अदद अवैध जीवित कारतूस .315 बोर बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी,बरामदगी के सम्बन्ध में थाना कीडगंज में मु0अ0सं0 96/2023 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण–मनीष भारतीया पुत्र स्व0 नन्हकऊ भारतीया नि0 366 दलेल का पूरा निकट हैजा अस्पताल थाना जार्जटाऊन प्रयागराज, उम्र 28 वर्ष पंजीकृत अभियोग का विवरण– मु0अ0सं0 96/2023 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना कीडगंज कमिश्नरेट प्रयागराज बरामदगी का विवरण– 01 अदद अवैध तमंचा .315 बोर व 04 अदद अवैध जीवित कारतूस .315 बोर गिरफ्तारी,बरामदगी करने वाली पुलिस टीम– 1. उ0नि0 मनीष कुमार सिंह थाना कीडगंज कमिश्नरेट प्रयागराज । 2. का0 मुकेश कुमार थाना कीडगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।

अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बनने की राह पर यूपी का प्रयागराज एयरपोर्ट

विमानों की उड़ान संख्या और कस्टमर सैटिफैक्शन के मामले में प्रयागराज एयरपोर्ट ने लगाई छलांग

प्रयागराज। प्रयागराज को देश के अलग– अलग शहरों से वायुमार्ग से जोड़ने के लिए योगी सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों से प्रयागराज एयरपोर्ट के नाम लगातार उपलब्धियां दर्ज हो रही हैं। इससे कुम्भ – 2025 के आयोजन के पहले ही प्रयागराज एयरपोर्ट अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की जगह लेने को तैयार है।

योगी सरकार द्वारा पिछले कुम्भ मेले के आयोजन के पहले जनवरी 2019 में इस एयरपोर्ट को एक सिविल टर्मिनल के तौर पर खोला गया। सरकार के प्रोत्साहन से तब से प्रयागराज एयरपोर्ट निरन्तर कामयाबी की उड़ाने भर रहा है। एयरपोर्ट अथॉरिटी की तरफ से उड़ानों के संचालन और यात्रियों की संख्या को लेकर जारी रिपोर्ट में प्रयागराज एयरपोर्ट ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रयागराज एयरपोर्ट निदेशक आरआर पांडेय बताते हैं कि प्रयागराज एयरपोर्ट में 30 अप्रैल 2023 तक विमानों की आवाजाही संख्या 25,247 हो गई है। बात अगर विमानों की बढ़ी हुई आवाजाही पर करें तो वर्ष 2019 में यहाँ से 4470 उड़ानें भरी गई तो वहीं 2020 में इनकी संख्या 3968 हो गई थी। वर्ष 2021 में एक बार फिर से इनकी संख्या में बढ़ोत्तरी हुई और यह संख्या बढ़कर 6325 पहुंच गई। यहाँ से 2022 में उड़ानों की संख्या 7836 थी जो 2023 में 25,247 हो गई है। इस तरह यूपी में प्रयागराज एयरपोर्ट घरेलू उड़ानों के मामले में पहले स्थान पर आ गया है। लखनऊ और वाराणसी एयरपोर्ट इससे आगे हैं लेकिन ये दोनों इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं जबकि प्रयागराज एयरपोर्ट में सिर्फ घरेलू उड़ाने ही संचालित होती हैं। प्रयागराज एयरपोर्ट कस्टमर सैटिफैक्शन के मामले में यूपी में पहले नंबर पर है। जबकि देश में प्रयागराज एयरपोर्ट का स्थान 13वां है। अखिल भारतीय स्तर पर घरेलू एयरपोर्ट की गुणवत्ता के मामले में लगातार प्रयागराज एयरपोर्ट में सुविधाओं में विकास हो रहा है। इससे ग्राहकों की संतुष्टि का स्तर तेजी से बेहतर हुआ है। यही वजह है कि देश के 64 एयरपोर्ट पर ग्राहकों की संतुष्टि को लेकर किए गए सर्वे में प्रयागराज एयरपोर्ट को 13 वां स्थान मिला है जबकि यूपी में इसका स्थान प्रथम है। लखनऊ और वाराणसी एयरपोर्ट घरेलू एयरपोर्ट न होकर इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं इसलिए उन्हें इसमें शामिल नहीं किया गया।

मुक्त विश्वविद्यालय ने गोद लिए गांवों में प्रारंभ किया योग जागरूकता कार्यक्रम

26 मई को सराय मदन सिंह उर्फ चांटी गांव में होगा समापन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने गोद लिए गांव में योग जागरूकता एवं कार्यशाला का आयोजन प्रारंभ किया है। जिसका प्रारंभ आज लेहरा तिवारीपुर गांव से योग जागरूकता के माध्यम से किया गया। राज्यपाल सचिवालय के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व योग से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव लेहरा तिवारीपुर में योग जागरूकता शिविर का शुभारम्भ किया। जागरूकता कार्यक्रम का समापन 26 मई को सराय मदन सिंह उर्फ चांटी गांव में होगा। योग जागरूकता शिविर में ग्राम वासियों ने प्रतिभाग किया। इस शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा, महिला अध्ययन केंद्र एवं कृषि विज्ञान विद्या शाखा के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हुआ। उपस्थित जनसमुदाय का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन प्रोफेसर जी.एस. शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा किया गया। प्रोफेसर रुचि बाजपेई, समन्वयक, महिला अध्ययन केंद्र ने विचार व्यक्त करते हुए महिलाओं को योग से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। योग प्रशिक्षक अनुराग शुक्ल एवं निकेत सिंह द्वारा ग्राम वासियों को सूक्ष्म योग, प्राणायाम, ध्यान, मुद्रा, बन्ध, प्रार्थना आदि का अभ्यास कराया गया। धन्यवाद ज्ञापन कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक एवं लेहरा तिवारीपुर गॉव के प्रभारी प्रोफेसर पी.पी. दुबे ने किया। इस अवसर पर लेहरा तिवारीपुर गॉव के प्रधान ने विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि इसी कड़ी में 11 मई को बारी, सोरांव, 12 मई को मातादीन का पूरा, 14 मई को टीएसएल चाड़ी, 15 मई को गोहरी, 17 मई को जैतवार डीह तथा 26 मई को सराय मदन सिंह उर्फ चांटी गांव में योग जागरूकता शिविर एवं कार्यशाला का आयोजन योग प्रशिक्षकों एवं महिला अध्ययन केंद्र द्वारा किया जाएगा।

परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत की गयी समीक्षा

प्रयागराज। जिला महिला अस्पताल (डफरिन) स्थित इग्नू कॉन्फ्रेंस हाल में सोमवार को स्टाफ नर्स एवं महिला चिकित्सक व काउन्सलर की एक दिवसीय समीक्षा बैठक व चर्चा हुई। पीसीआई इंडिया के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अधीक्षिका डॉ नीता साहू ने की। डॉ साहू ने बताया कि हम मरीज को पूरी सुविधा दे रहे हैं लेकिन आकड़ो में कम दिख रहा है। इसलिए हमें अपने कार्य को दर्शाना भी आवश्यक है। आंकड़े पूरा होना उतना ही जरुरी है जितना की मरीजो को सेवाएं देना। उन्होंने कहा कि परिवार कल्याण के साधनों में अस्थाई साधनों के लिए महिलाओं को प्रेरित करें और उपलब्ध सुविधाओं की अधिकाधिक जानकारी दें। उन्होंने बताया कि हमें ऐसे दंपति को चिन्हित करना होगा जिनके परिवार पूरा हो गए हैं। हम उन्हें लंबे समय के लिए आयूसीडी के लिए प्रेरित कर सकते हैं। कृति पाठक, पीएसआई ने पीपीटी के मध्यम से परिवार नियोजन के साधनों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परिवार पूरा होने व बच्चों में अंतर के लिए कई स्थाई व अस्थाई साधन उपलब्ध हैं। परिवार नियोजन के लिए बास्केट ऑफ चॉइस में से दंपति बड़ी सरलता से अपनी सुविधानुसार साधन का चुनाव कर सकता है। चर्चा में मौजूद काउन्सलर अनीता शुक्ला ने कहा कि जब से अंतरा व छाया की सुविधा शुरु हुई हैं तब से लोगो का रुझान इसकी तरफ अधिक होता हैं अब उन्हें आयूसीडी से अधिक अंतरा इंजेक्शन व छाया की गोली अधिक पसंद आ रही। बैठक में जिला महिला अस्पताल कि सभी स्टाफ नर्स, महिला चिकित्सक, काउन्सलर, पीसीआई इंडिया व सीफर के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।